रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
05 दिसंबर -2025
वर्ष 10, अंक 91
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

वर्ल्ड का सबसे लंबा ई-हाईवे बनाने की तैयारी

- दिल्ली-गुरुग्राम-जयपुर हाईवे पर हर 50 किमी पर होगा ईवी चार्जिंग हब; हवा-हाइड्रोजन से पावर

गुरुग्राम (एजेंसी)। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की चार्जिंग समस्या दूर करने के लिए नेशनल हाईवे फॉर ईवी द्वारा 3जी एनर्जी स्टेशन बनाएगी। देश में पहली बार चार्जिंग स्टेशन पर ही ग्रिड फ्री यानी सोलर, विंड, थर्मल और हाइड्रोजन से पावर जनरेट करके गाड़ियां चार्ज की जाएंगी। इन चार्जिंग स्टेशनों पर 200 वाट से 500 वाट तक के अल्ट्रा-फास्ट चार्जर लगाए जाएंगे, जिससे कोई भी इलेक्ट्रिक कार मात्र 30 मिनट से भी

कम समय में 100-200 किलोमीटर की रेंज चार्ज कर सकेगी। पहले फेज में देश के पहले नेशनल हाईवे फॉर इलेक्ट्रिक व्हीकल दिल्ली-गुरुग्राम-जयपुर कॉरिडोर और दिल्ली-आगरा हाईवे पर इसे शुरू करने की योजना है। गुरुग्राम के ग्वाल पहाड़ी स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी में 5 दिसंबर को होने वाली एनएचईवी वर्किंग कमेटी की 7वीं मीटिंग में इसका रोडमैप फाइनल होगा। एनएचईवी ने डेढ़ साल पहले ईवी के लिए ट्रायल किया था।

उद्धव का 'रिवर्स गियर' संकट में शिंदे की पार्टी

- बीजेपी ने तनातनी के बीच महाराष्ट्र में होगा 'खेला'

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के बीच महायुति में बीजेपी और शिवसेना के बीच तनातनी के बीच उद्धव ठाकरे ने खेला शुरू कर दिया है। 2022 के एपीसोड के बाद खामोश बैठे उद्धव ठकारे मुंबई बीएमसी चुनावों से सक्रिय हो गए हैं। पिछले दो दिनों में उन्होंने शिंदे कैंप के नेताओं और कार्यकर्ताओं को तोड़कर (घर वापसी) करवाकर हड़कंप मचा दिया है।

बीजेपी और अजित पवार की एनसीपी से अच्छे रिश्ते नहीं होने के बीच उद्धव ठाकरे के रिवर्स गियर से यूबीटी में खुशी है, तो वहीं दूसरी ओर सिंधुदुर्ग के बाद अब बीजेपी शिवसेना के बीच कल्याण डोंबिवली इलाके में तनातनी बढ़ रही है। इसी क्षेत्र से एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे सांसद हैं, तो वहीं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण का भी यही इलाका है। ऐसे में निचले स्तर पर दोनों पार्टियों के बीच घमासान जारी है।

मुनीर ने प्लान के तहत कराया पहलगाम हमला

- बड़ा दावा, बताया क्यों भिड़ाए गए भारत-पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कश्मीर में इस साल अप्रैल में हुए आतंकी हमले के तार पाकिस्तान से जुड़े होने का एक और दावा सामने आया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के सहयोगी और पाकिस्तानी-अमेरिकी पॉलिटिकल एक्टिविस्ट सलमान अहमद ने इसमें आर्मी चीफ असीम मुनीर का नाम लिया है। सलमान का दावा है कि मुनीर ने पहलगाम हमला सुनियोजित तरीके से भारत के साथ सैन्य टकराव भड़काने के लिए कराया। इस टकराव का फायदा मुनीर अपनी छवि चमकाने के

लिए करना चाहते थे। सलमान अहमद ने बात करते हुए 42 अमेरिकी सांसदों के साइन किए हुए एक हालिया लेटर का जिक्र किया। इसमें ट्रंप प्रशासन से असीम मुनीर के कथित मानवाधिकारों के हनन की जांच की अपील की गई है। अहमद ने कहा कि हमने अमेरिका को लगातार चेताया है कि अप्रैल 2022 में इमरान खान को हटाने के बाद से पाक सेना लोकतंत्र को कुचल रही है। खासतौर से मुनीर पूरे क्षेत्र की सुरक्षा लिए खतरा बन रहे हैं। सलमान अहमद ने आगे कहा, पाकिस्तान परमाणु हथियार वाला देश है।

शीतकालीन सत्र पूर्व बैठक : मुख्यमंत्री, प्रतिपक्ष नेता के साथ निरसा विधायक अरूप चटर्जी भी उपस्थित

अन्नपूर्णा गुप्ता, प्रधान संपादक, नई दिल्ली

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र से एक दिन पूर्व दिनांक 4 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो के कार्यालय कक्ष में सदन की सुचारु कार्यवाही एवं अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर सहित कई विधायकों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में निरसा से विधायक अरूप चटर्जी भी उपस्थित रहे। झारखंड के वर्तमान में मजदूर आंदोलन के प्रमुख चेहरे एवं कोयला बेल्ट के सशक्त

जननायक के रूप में प्रसिद्ध अरूप चटर्जी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन से निर्वाचित विधायक हैं। धनबाद लोकसभा क्षेत्र में ईमानदार एवं बेदाग छवि वाले नेताओं में उनकी गिनती होती है। बैठक में सत्र के दौरान सदन में उठाए जाने वाले मुद्दों, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण तथा विधेयकों पर विस्तृत चर्चा हुई। सभी दलों के नेताओं ने सत्र को सौहार्दपूर्ण एवं जनहित के मुद्दों पर केंद्रित रखने का संकल्प व्यक्त किया। अरूप चटर्जी की पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी हमेशा से कोयला मजदूरों, विस्थापितों, आदिवासी-मूलवासी अधिकारों, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे जन सरोकारों को विधानसभा के अंदर और बाहर मजबूती से उठाती रही है। उनकी पार्टी शोर-शराबे और दिखावे की राजनीति से दूर रहकर धरातल पर जनता के मुद्दों पर काम करने में विश्वास रखती है। चाहे कोलियरी मजदूरों की सुरक्षा का सवाल हो या विस्थापन नीति के खिलाफ संघर्ष, श्री चटर्जी और उनकी पार्टी ने हमेशा जनता के साथ खड़े रहकर शांत लेकिन मजबूत लड़ाई लड़ी है।

संत कबीर आश्रम में सत्संग व भंडारा का आयोजन

ओम प्रकाश तांती साहिबगंज ब्यूरो

साहिबगंज अभन पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गांधी चौक स्थित कबीर आश्रम मैं गुरुवार को एक दिवसीय सत्संग और भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के राज्यों से संत और महात्मा एवं साध्वी ने हिस्सा लिया। साल के इस अंतिम पूर्णिमा है पर कटिहार जिले का डॉक्टर विद्यानंद सागर जो कि महंत के पद पर हैं प्रवचन का मुख्य वक्ता रहे। जिनके द्वारा प्रवचन किया गया। इसके अलावा महंत रामानंद साहब, महंत गोपाल साहब, संत वेदानंद साहिब ,संत कृष्णा साहब, संत तपन साहब, संत

मोहनलाल मरांडी ,संत मोतीलाल, संत दिनेश साहब ,संत आरती साध्वी संत ,किशोर साहब, संत गायत्री साध्वी संत संजू, साध्वी ने भी प्रवचन दिया। सत्संग के बाद भंडारा का आयोजन किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने भंडारा ग्रहण किया। सत्संग और भंडारा का आयोजन महंत शंकर दास एवं समस्त संत परिवार के ओर से किया गया।

रांची। जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा का रिजल्ट जारी कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के बाद ढोल - नगाड़ों के साथ सैकड़ों अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय परिसर पहुंचकर मनाया जश्न, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को दी बधाई, जताया आभार। अभ्यर्थियों ने कहा - मुख्यमंत्री जी के प्रयासों एवं निष्पक्ष जांच के कारण हमें मिला है न्याय।

जरूरतमंदों और दिव्यांगजनों के बीच कंबल का वितरण

ओम प्रकाश तांती , साहिबगंज ब्यूरो

साहिबगंज।साहिबगंज झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के दिशानिर्देशानुसार और जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), साहेबगंज के अध्यक्ष-सह-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने गुरुवार को व्यवहार न्यायालय, साहेबगंज के परिसर में जरूरतमंदों और दिव्यांगजनों के बीच ठंड से बचाव के लिए कंबलों का वितरण किया। इस अवसर पर, डालसा अध्यक्ष श्री अखिल कुमार ने कहा कि यह कंबल वितरण अभियान केवल आज तक ही सीमित नहीं है बल्कि उन्होंने प्राधिकार के सचिव, विश्वनाथ भगत को निर्देश दिया है कि जिला प्रशासन और नगर परिषद के सहयोग से यह अभियान आगे भी जारी रखा जाए। इसके अतिरिक्त, प्राधिकार सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने पैरा लीगल वालंटिर्य न्याय मित्र की एक टीम का गठन किया है। यह टीम शहर के विभिन्न हिस्सों में जाएगी और अत्यंत जरूरतमंद, लाचार, वृद्ध, विधवा और बेसहारा

बच्चों, विभिन्न आश्रय गृहों और रैन बसेरों में रहने वालों को चिन्हित करेगी। टीम उन्हें ठंड से बचाव के लिए गर्म कंबल उपलब्ध कराएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि वे सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ भी उठा सकें। इस पुनीत कार्य के दौरान अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद,न्यायालय के अन्य गणमान्य व्यक्ति और कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होंने सहयोग किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इंटरनेशनल आइडिया के सदस्य देशों की परिषद की अध्यक्षता संभाली

भारत की अध्यक्षता निर्णायक, महत्वाकांक्षी और कार्य-उन्मुख होगी' : सीईसी ज्ञानेश कुमार

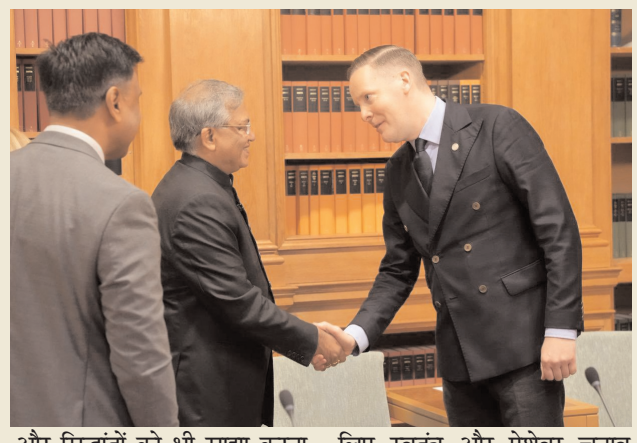

नई दिल्ली भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त, ज्ञानेश कुमार ने वर्ष 2026 के लिए लोकतंत्र और चुनावी सहायता के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थान (International IDE) के सदस्य देशों की परिषद की अध्यक्षता संभाली। इस अवसर पर स्वीडन में भारत के राजदूत अनुराग भूषण भी उपस्थित थे। यह अध्यक्षता एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो दुनिया के सबसे विश्वसनीय और अभिनव चुनाव प्रबंधन निकायों में से एक के रूप में भारत निर्वाचन आयोग की वैश्विक मान्यता को दर्शाती है। इंटरनेशनल आइडिया के संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत ने संगठन के शासन, लोकतांत्रिक विमर्श और संस्थागत पहलों में लगातार योगदान दिया है। स्टॉकहोम पहुंचने पर, सीईसी ज्ञानेश कुमार का स्वागत स्वीडन में भारत के राजदूत श्री अनुराग भूषण ने किया। उन्होंने इंटरनेशनल आइडिया के महासचिव डॉ. केविन कासस-ज़मोरा (Dr Kevin Casas-Zamora) के साथ चर्चा भी की। स्वीडन के स्टॉकहोम में अपने स्वीकृति भाषण में, सीईसी कुमार ने भारत के लोकतांत्रिक अभ्यास की विशालता पर प्रकाश डाला और बताया कि भारत में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 90 करोड़ (900 मिलियन) से अधिक मतदाता हैं। 2024 के आम चुनावों पर विचार करते हुए, उन्होंने बताया कि भारत ने एक अद्भुत लोकतांत्रिक नजारा देखा, जिसमें 743 राजनीतिक दलों (जिनमें 6 राष्ट्रीय और 67 राज्य स्तरीय दल शामिल थे) के 20,000 से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया। इस चुनावी प्रक्रिया में 2 करोड़ से अधिक चुनाव कर्मी शामिल थे, जिसमें 10 लाख से अधिक बूथ स्तर के अधिकारी और 50 लाख मतदान कर्मचारी शामिल थे। यह देखते हुए कि भारत ने 1947 में अपनी स्वतंत्रता के बाद से संसद के लिए 18 आम चुनाव और राज्य विधानसभाओं के लिए 400 से अधिक आम चुनाव देखे हैं, सीईसी ने कहा कि भारत न केवल दुनिया के सबसे बड़े, सबसे विविध और समावेशी आधुनिक लोकतंत्र की सीख को सभी के साथ साझा करने की परिकल्पना करता है, बल्कि भारत की सभ्यतागत विरासत में गहराई से निहित लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों को भी साझा करना चाहता है। भविष्य की दिशा तय करते हुए, सीईसी ने संकल्प लिया कि भारत की अध्यक्षता निर्णायक, महत्वाकांक्षी और कार्य-उन्मुख होगी। अध्यक्ष के रूप में, श्री ज्ञानेश कुमार परिषद के कार्यों को भारत की अध्यक्षता के समग्र विषय - समावेशी, शांतिपूर्ण, लचीले और टिकाऊ दुनिया के लिए लोकतंत्र के इर्द-गिर्द संचालित करेंगे और दो प्रमुख स्तंभों पर ध्यान केंद्रित करेंगे- भविष्य के लिए लोकतंत्र की पुनर्कल्पना और टिकाऊ लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र और पेशेवर चुनाव प्रबंधन निकाय। सीईसी ने अपने स्वीकृति भाषण का समापन यह कहते हुए किया कि भारत यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि हर वोट की गिनती हो, हर आवाज मायने रखे और दुनिया भर में लोकतंत्र अधिक समावेशी, शांतिपूर्ण, लचीला और टिकाऊ बने। अध्यक्षता में भारत के साथ, मॉरीशस और मैक्सिको वर्ष 2026 के लिए इंटरनेशनल आइडिया परिषद के उपाध्यक्ष (Vice Chairs) के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

ओडिशा में रात में भी दुकानों पर काम कर सकेंगी महिलाएं

लिखित परमीशन देनी होगी, कॉमर्शियल जगहों पर काम करने के घंटे 9 से 10 किए

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा विधानसभा ने बुधवार को ओडिशा शॉप्स एंड कॉमर्शियल एस्टेब्लिशमेंट्स बिल 2025 पास किया। अब महिला कर्मचारी ऐसी दुकानों और कॉमर्शियल प्रतिष्ठानों में नाइट शिफ्ट में काम कर सकेंगी। नए बिल में सरकार ने काम के घंटे 9 से बढ़ाकर 10 घंटे किए हैं। राज्य के लेबर मिनिस्टर गणेश राम सिंहखुंटिया ने कहा कि यह बदलाव छोटे बिजनेस के लिए फायदेमंद साबित होंगे। बिल पास होने के दौरान बीजेडी और कांग्रेस ने विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट किया। ओडिशा शॉप्स एंड कॉमर्शियल एस्टेब्लिशमेंट्स बिल 2025 में रोजाना

काम की समय-सीमा बढ़ाकर 10 घंटे की गई है, लेकिन हफ्ते में काम करने के घंटे 48 घंटे ही रखे गए हैं। वहीं, ओवरटाइम की लिमिट भी बढ़ाई गई है। पहले कर्मचारी तीन महीने में 50 घंटे ओवरटाइम कर सकते थे, अब 144 घंटे कर सकेंगे। ओवरटाइम वेतन हमेशा की तरह सामान्य वेतन की डबल रहेगा। महिलाएं नाइट शिफ्ट में काम कर सकेंगी। इसके लिए उन्हें लिखित सहमति देनी होगी। एम्प्लॉयर ऐसी महिला कर्मचारियों के आने-जाने की व्यवस्था करेगी। उन्हें सिक्योरिटी देगा। 20 से कम कर्मचारियों वाले दुकानों को छूट दी गई है।

बाबरी बनाने का ऐलान करने वाले हुमायूं कबीर हुए सस्पेंड

ममता बनर्जी ने दिखाया आईना ,कबीर बोले-मस्जिद जरूर बनेगी

कहा-तृणमूल और भाजपा के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ूंगा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद स्थित बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान करने वाले विधायक हुमायूं कबीर को तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को पार्टी से निलंबित कर दिया। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने इसकी जानकारी दी। मेयर ने कहा कि पार्टी सांप्रदायिक राजनीति में विश्वास नहीं करती। टीएमसी से निकाले जाने के बाद हुमायूं ने कहा, मैं अपने

बयान पर कायम हूं। मैं 22 दिसंबर को अपनी नई पार्टी की घोषणा करूंगा। विधानसभा चुनाव में 135 सीटों पर उम्मीदवार उतारूंगा। मैं उन दोनों (टीएमसी और भाजपा) के खिलाफ चुनाव लड़ूंगा। मुर्शिदाबाद जिले में 28 नवंबर को कई जगहों पर बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर लगाए गए थे। इन पर लिखा था कि 6 दिसंबर को बाबरी का शिलान्यास होगा।

संक्षिप्त समाचार

देवघर में अंतरराज्यीय क्रूड ऑयल चोर गिरोह का भंडाफोड़

देवघर, एजेंसी। देवघर पुलिस ने अंतरराज्यीय क्रूड ऑयल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर जसीडीह थाना क्षेत्र में पाइपलाइन से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल निकालने की योजना को विफल कर दिया गया। इस कार्रवाई में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। देवघर एसपी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तत्काल छापेमारी की। मौके से गिरफ्तार किए गए सभी अभियुक्त अलग-अलग राज्यों से आए हुए बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई मोबाइल फोन, मल्टी-मीडिया डिवाइस और चोरी की गतिविधियों से जुड़े वीडियो बरामद किए। इसके अतिरिक्त, कच्चा तेल निकालने में उपयोग होने वाले उपकरण जैसे प्लास्टिक सेक्शन पाइप, लोहे की रॉड, पैना और बोतलें सहित कई अन्य सामान भी जब्त किए गए। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह संगठित तरीके से विभिन्न राज्यों में होटल या अन्य ठिकानों पर ठहरकर पाइपलाइन में सेंध लगाने का काम करता था। मामले में विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच जारी है।

जेपी नड्डा का देवघर में दो दिवसीय प्रवास, नए जिला कार्यालय का करेंगे उद्घाटन

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पांच दिसंबर को देवघर पहुंच रहे हैं। छह दिसंबर को वे देवघर में बने नए जिला कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने दो दिनों के झारखंड प्रवास में जेपी नड्डा के साथ प्रदेश भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं का संवाद कार्यक्रम भी रखा है। सभी जिलाध्यक्ष, मोर्चा और प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और संयोजक दो दिन देवघर में उपस्थित रहेंगे। जेपी नड्डा बिहार चुनाव में प्रचार करने पहुंचे नेताओं कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे और उन्हें धन्यवाद देंगे। इसके साथ प्रदेश में सशक्त विपक्ष बनने के लिए विधायक, सांसद और प्रदेश कमेटी के साथ रणनीति बनाएंगे। भाजपा के सभी नेता जेपी नड्डा के कार्यक्रम के लिए देवघर में प्रवास कर रहे हैं। जिलों से प्रमुख नेताओं को भी देवघर पहुंचने का निर्देश दिया गया है। पिछले कुछ दिनों से गठबंधन सरकार में चल रही राजनीतिक खबरों पर भाजपा नेताओं ने कहा है कि उन्हें इससे कोई लेना देना नहीं है। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि झामुमो और भाजपा नदी के दो किनारों की तरह है। इनका मिलना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य सरकार के भ्रष्टाचार और लूट पर आवाज उठाती रहेगी।

जामताड़ा पुलिस को मिली बड़ी सफलता:दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा पुलिस ने जिले में साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नारायणपुर थाना क्षेत्र के खरकोकुंडी/महेशपुर के निकट जंगल से दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर अपराध थाना जामताड़ा की टीम ने यह छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पांडू मंडल (38 वर्ष, निवासी सियाटाड़, थाना करमाटांड़) और निताई दां (23 वर्ष, निवासी विष्टोपुर, थाना नारायणपुर) को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 06 मोबाइल फोन, 07 सिम कार्ड, 03 एटीएम कार्ड, 01 आधार कार्ड और 01 मोटरसाइकिल बरामद की गई है। ये अपराधी लोगों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्रेडिट/डेबिट कार्ड बंद होने का झांसा देते थे। वे स्क्रीन शेयरिंग ऐप डाउनलोड करवाकर गोपनीय जानकारी हासिल करते थे और फिर ई-वॉलेट के जरिए ठगी करते थे। गिरफ्तार पांडू मंडल का 2021 में भी साइबर अपराध का इतिहास रहा है। दोनों के विरुद्ध साइबर थाना जामताड़ा में कांड संख्या 71/25 दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

प्रदेश में बर्फीली हवाओं से बढ़ेगी ठिठुरन

मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव के बाद अब ठंड बढ़ने के संकेत

रांची, एजेंसी। झारखंड में हिमालय के क्षेत्र से आने वाली बर्फीली हवाओं से ठिठुरन बढ़ने की संभावना बन गई है। मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव के बाद अब ठंड बढ़ने के संकेत मिले हैं। पिछले 24 घंटे में राज्य के छह जिलों का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। इधर, मौसम विभाग ने 5 और 6 दिसंबर को शीत लहर का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दिन पलामू, गढ़वा, चतरा, गुमला, लातेहार, लोहरदगा, सिमडेगा जिलों में कहीं-कहीं शीत लहर चलने की संभावना बनी हुई है।

न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की हो सकती है गिरावट : मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले चार दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे (3-4) डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। इसके बाद अगले तीन दिनों में इसमें (2-3) डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। गुरुवार को सुबह में कोहरा या धुंध और बाद में आसमान मुख्यत साफ रहेगा। आने वाले दिनों में रांची का तापमान 8 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है। ऐसे में एक बार फिर सर्दी सताएगी।

वहीं, पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 07.9 डिग्री सेल्सियस गुमला में दर्ज किया गया।

दो जिलों का न्यूनतम तापमान हुआ 10 डिग्री से भी कम : इधर, पिछले 24 घंटे में छह जिलों का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। इन जिलों में डाल्टेनगंज, खूंटी, लोहरदगा, लातेहार, गोड्?डा और गुमला शामिल है। रांची का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, डाल्टेनगंज और गुमला में तो न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से भी कम रिकॉर्ड किया गया।

ठंड बढ़ते ही अस्पतालों में बढ़े मरीज : वहीं, तापमान में लगातार गिरावट के साथ मौसमी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की संख्या बीते एक सप्ताह में 30-35% तक बढ़ी है। गले में खराश, कफ, सर्दी-जुकाम और खांसी आम शिकायत बन गई है। रिम्स ओपीडी में पहुंचने वाले हर चार में से एक मरीज इन मौसमी बीमारियों से पीड़ित मिल रहे हैं। पिछले सात दिनों में केवल रिम्स की मेडिसिन ओपीडी में 1402 और पीडियाट्रिक ओपीडी में 1271 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। वहीं, सदर अस्पताल की ओपीडी में भी संख्या 2194 रही। कुल 4,867 मरीजों में से लगभग 25-30% मौसमी बीमारियों से ग्रस्त थे। ठंड में बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता तेजी से प्रभावित होती है। शिशु रोग विभाग के डॉक्टरों के अनुसार, छोटे बच्चे ठंडी हवा, धूल और वायरल संक्रमण से जल्दी प्रभावित होते हैं। वहीं, बुजुर्गों में खासतौर पर गठिया (आर्थराइटिस), सांस की दिक्कत, हार्ट रोग, ब्लड प्रेशर का उतार-चढ़ाव ज्यादा देखने को मिल रहा है।

कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 11 में बुधवार रात एक 23 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान उमेश जोशी के पुत्र मानव जोशी के रूप में हुई है। मृतक के पिता उमेश जोशी ने बताया कि वे झुमरीतिलैया के वार्ड संख्या 11 में आईसीआईसीआई बैंक के पीछे किराए के मकान में रहते हैं। घटना के समय उनके मकान के ऊपरी तल पर रहने वाले मुकेश जोशी की दिवंगत मां मनी देवी का श्राद्ध कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें पूरा परिवार व्यस्त था।

बुलाने पर नहीं आया तो परिजन पहुंचे उसके कमरे में

परिवार के सदस्यों ने मानव को वहां नहीं देखा तो उसे आवाज लगाई। जब वह नहीं आया, तो वे उसके कमरे में गए। वहां उन्होंने देखा

कि मानव अपने कमरे में बेडशीट से पंखे से फंदा बनाकर फांसी पर झूल रहा था। परिवार ने उसे फंदे से नीचे उतारा और तुरंत सदर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उमेश जोशी ने बताया कि मानव ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही तिलैया पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है और मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। मानव एक निजी संस्थान में काम करता था।

प्रेमिका से मिलने देवरिया से आया था प्रेमी, युवती के घरवालों ने लोहे की रॉड से पीटा; एक गिरफ्तार

मेहरमा (गोड्डा), एजेंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंघाड़ी गांव की अपनी प्रेमिका से मिलने उत्तर प्रदेश के देवरिया से आए प्रेमी को युवती के घर वालों सहित अन्य लोगों द्वारा जमकर मारपीट की गई। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

घटना बीते सोमवार की बताई जाती है। सूचना पर प्रेमी 22 वर्षीय सद्दाम खान के स्वजन मेहरमा थाना पहुंचे। सद्दाम के भाई द्वारा युवती के स्वजन सहित कुल सात के ऊपर मारपीट करने के संबंध में प्राथमिक दर्ज कराई गई।

पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपित 21 वर्षीय मिनसर अंसारी को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर ने बताया कि शेष छह आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि युवती अपने पिता के साथ मुंबई में रहती थी। वहां उत्तर प्रदेश के देवरिया के सद्दाम

खान के साथ उसका परिचय हुआ। बाद में दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हो गया। इसके कुछ दिनों बाद युवती अपने घर सिंघाड़ी आ गई।

युवती के बुलाने पर पांच-सात दिन पूर्व उसका प्रेमी सिंघाड़ी आ गया।वह युवती के घर में ही रहता था। इसी क्रम में सोमवार को युवती के स्वजन और अन्य लोगों द्वारा युवक के साथ लोहे के रड से बुरी तरह मारपीट कर उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया। युवक लहूलुहान होकर तड़पता रहा। बावजूद किसी को उस पर दया नहीं आई।

सूचना पर पुलिस द्वारा उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के पश्चात उसे बेहतर इलाज के लिए जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल भेजा गया। वहां से उसे चिंताजनक की हालत में पटना रेफर कर दिया गया है।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक, 8 दिसंबर को पेश होगा द्वितीय अनुपूरक बजट

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 11 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। यह सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सत्र को सफल बनाने के लिए विधानसभा में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। विधायक अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े प्रश्नों और मुद्दों को तैयार कर रहे हैं, जबकि राजनीतिक दल रणनीतिक बैठकों में सत्र की रणनीति को अंतिम रूप दे रहे हैं।

विधानसभा सचिवालय द्वारा औपबंधिक कार्यक्रम जारी होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने 4 दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है, जिसमें वह सभी दलों से सत्र के सुचारू संचालन में सहयोग की अपील करेंगे। अध्यक्ष ने कहा है कि सदन में जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा उनकी प्राथमिकता होगी। इससे पहले 3 दिसंबर को उच्च स्तरीय अधिकारियों की बैठक में प्रशासनिक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

विपक्ष, विशेषकर भाजपा, सत्र को लेकर काफी सक्रिय है। सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर जारी आरोप पत्र के आधार पर भाजपा सदन में सरकार की घेराबंदी करेगी। पार्टी ने 7 दिसंबर को अपने विधायकों की बैठक बुलाई है, जिसमें धनबाद में अवैध कोयला कारोबार, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की रणनीति तय की जाएगी।

इधर सत्ता पक्ष भी पूरी तैयारी में जुटा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में एटीआई में बैठक कर विधायकों को विपक्ष के सवालों का प्रभावी जवाब देने के निर्देश दिए जाएंगे। सत्र के दौरान 8 दिसंबर को चालू वित्तीय वर्ष का द्वितीय अनुपूरक बजट भी सदन में पेश किया जाएगा।

जमीन घोटाले मामले में निलंबित एएसआई विनय चौबे की जमानत खारिज, दूसरे प्रकरण में भी जांच तेज

हजारीबाग, एजेंसी। बहुचर्चित भूमि घोटाले में आरोपित हजारीबाग के पूर्व उपायुक्त व निलंबित आइएएस विनय चौबे की जमानत याचिका बुधवार को अदालत ने खारिज कर दी। इससे पूर्व सोमवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय सह विशेष न्यायालय (निगरानी) में जमानत पर सुनवाई पूरी हुई थी और फैसला सुरक्षित रखा गया था।

बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता शंकर बनर्जी ने बहस की, जबकि अभियोजन पक्ष ने दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर जमानत का कड़ा विरोध किया। मामला निगरानी वाद संख्या 11/25 से संबंधित है।

जानकारी के अनुसार, हजारीबाग में पदस्थापना के दौरान भूमि आवंटन, प्लॉटिंग और ट्रांसफर में कथित अनियमितताओं तथा राजस्व विभागीय अनुमोदन प्रक्रिया में धोखाधड़ी के आरोपों को लेकर निगरानी विभाग ने विनय चौबे को पहले रिमांड पर

लेकर पूछताछ की थी। रिमांड के दौरान उनसे कई फाइलें, नोटशीट व स्वीकृति आदेशों पर पूछताछ की गई। 14 नवंबर को जमानत आवेदन दायर किया गया था, जिसकी प्रारंभिक सुनवाई 17 नवंबर को हुई और कोर्ट ने अभियोजन पक्ष से केस डायरी प्रस्तुत करने को कहा था। केस डायरी की समीक्षा के बाद दोनों पक्षों की दलीलें सुनते हुए अदालत ने कहा कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है, इसलिए जमानत देना उचित नहीं होगा।

इसी बीच, विनय चौबे से संबंधित एक अन्य प्रकरण भी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें आरोप है कि उनके कार्यकाल में कुछ जमीनों का मूल्यांकन जानबूझकर कम दर्शाया गया, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचा और लाभ विशेष वर्ग को मिला। इस फाइल की भी निगरानी टीम द्वारा जांच की जा रही है और आवश्यक दस्तावेज संग्रहित किए जा चुके हैं।

अधिकारियों के अनुसार, इन दोनों मामलों के जुड़ाव के मद्देनजर आगे भी पूछताछ और कागजात सत्यापन किए जाएंगे। जमानत खारिज होने के बाद अब पूर्व डीसी की कानूनी टीम उच्च अदालत का विकल्प तलाश सकती है। वहीं निगरानी विभाग भी आगामी दिनों में और गहन जांच की तैयारी में जुटा हुआ है। हजारीबाग में यह मामला लगातार सुर्खियों में है, और अब नजर इस बात पर है कि आगे की कार्रवाई किन नए तथ्यों का खुलासा करेगी।

जेपीएससी-जेएसएससी: नियुक्ति, छात्रवृत्ति को लेकर 180 किमी की पदयात्रा आज से

रांची, एजेंसी। रांची7 झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। खतियान और छात्रों की मांगों को लेकर यह आंदोलन 5 दिसंबर से 11 दिसंबर तक चलेगा।

आंदोलन के तहत 6 दिवसीय 180 किमी पदयात्रा और विधानसभा के समक्ष धरना- प्रदर्शन किया जाएगा। विधायक जयराम कुमार महतो चार दिसंबर को डुमरी से हरी झंडी दिखाकर पदयात्रा को राजधानी रांची के लिए रवाना करेंगे। पदयात्रा बोकारो, हजारीबाग और रामगढ़ होते हुए नौ दिसंबर को रांची पहुंचेगी। मंगलवार को विधानसभा के समक्ष प्रदर्शन होगा। केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि सरकार के प्रति छात्रों में भारी नाराजगी है और उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। मुख्य मांगों में प्री-मैट्रिक व पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान, जेपीएससी, छात्रवृत्ति लंबित परीक्षाओं का आयोजन, प्रतियोगी परीक्षा कैलेंडर का पालन, खतियान आधारित नियोजन नीति और गैर सरकारी विभागों में 75% भागीदारी मूल झारखंडियों को शामिल करना है।

एयरपोर्ट के आसपास नियम विरुद्ध हुए निर्माण पर होगी कार्रवाई

रांची, एजेंसी। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के रनवे 13 एक्सेस मार्ग पर बिना आवश्यक एनओसी के निर्माण कार्य को लेकर एयरपोर्ट एनवायर्नमेंट मैनेजमेंट कमेटी ने गंभीर चिंता जताई। मंगलवार को दक्षिण छोटानागपुर के आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक में एयरपोर्ट और उसके आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा, पर्यावरण प्रबंधन, स्वच्छता और अवैध गतिविधियों की समीक्षा की गई।

बैठक में धुर्वा, डोरंडा, लटमा रोड और हटिया स्टेशन क्षेत्र में अवैध रूप से मांस-मछली की बिक्री, रेस्त्रां और फूड वैन द्वारा कचरे का अनुचित निपटान, धुर्वा सेक्टर-2 में स्लॉटर हाउस के पास खुले नाले और एयरपोर्ट के आसपास भटकते कुत्तों से सुरक्षा जोखिम के मुद्दों पर प्रमुखता से चर्चा हुई।

अधिकारियों ने मोबाइल टावरों, ऊंची इमारतों और जलमीनारों पर एविएशन ऑब्स्ट्रक्शन लाइट्स की स्थापना और समय-समय पर रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ऐसा नहीं हुआ तो संबंधित कंपनियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। ड्रोन संचालन के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

रनवे 13 एक्सेस मार्ग वह सुरक्षित हवाई रास्ता है, जहां विमान लैंडिंग के दौरान नीचे आते हैं। बिरसा चौक इस मार्ग के तहत आता है, इसलिए यहां ऊंचा निर्माण सख्त नियमों और एनओसी के बिना नहीं हो सकता।

चतरा का तमासिन जलप्रपात, पहुंचने लगे सैलानी, मिल्क फॉल' के नाम से भी है यह चर्चित

चतरा, एजेंसी। झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता में चतरा जिले का तमासिन जलप्रपात प्रमुख स्थान रखता है। यह राज्य के बड़े पिकनिक स्थलों में से एक है, जिसकी ख्याति झारखंड के अलावा बिहार और पश्चिम बंगाल तक फैली हुई है। नए साल, मकर संक्रांति या अन्य त्योहारों पर झारखंड, बिहार और बंगाल समेत कई राज्यों से पर्यटक और श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। तमासिन जलप्रपात घने जंगलों के बीच स्थित है। नए साल के नजदीक आते ही लोग यहां पहुंचने लगे हैं और यहां के मनोरम दृश्य का आनंद उठा रहे हैं।

दूर से यह दूध की धारा जैसा प्रतीत होता: यह जलप्रपात उजले और फिसलन भरे पत्थरों की चट्टानों से बना है। जब पानी नीचे गिरता है, तो उसका रंग इतना श्वेत और निर्मल दिखाई देता है कि दूर से यह दूध की धारा जैसा प्रतीत होता है। झरने के आसपास फैली सफेद चट्टानें दृश्य को और भी आकर्षक बनाती हैं।

जितना खूबसूरत है, उतना ही खतरनाक भी : हालांकि, इस मनमोहक सुंदरता के पीछेएक गंभीर सच्चाई छिपी है। तमासिन जलप्रपात जितना खूबसूरत है, उतना ही खतरनाक भी है। इसी कारण स्थानीय प्रशासन ने इसे 'डेंजर ज़ोन' घोषित किया है। प्रत्येक वर्ष यहां कई पर्यटकों की जान चली जाती है। इसका मुख्य कारण झरने के पास फोटो या सेल्फी लेने का जुनून है। फिसलन भरी चट्टानों पर थोड़ी सी चूक होने पर पैर फिसल जाता है और लोग गहरे पानी में गिर जाते हैं।

घोषणाएं आज भी धरातल पर नहीं उतर सकी : यह जलप्रपात दिखने में शांत और सुंदर लगता है, लेकिन इसकी गहराई और पानी का तेज बहाव इसे बेहद घातक बना देता

है। भीड़ होने वाले दिनों में भी स्थानीय गोताखोरों की टीम, एनडीआरएफ की टीम या पुलिस बल की टीम की कोई सुविधा मुहैया नहीं कराई जाती है।

झारखंड राज्य सरकार ने तमासिन जलप्रपात को विकसित करने की बात कही थी। इसे भद्रकाली और मां कालेश्वरी मंदिर के साथ पर्यटन सर्किट में विकसित कर एक नई पहचान दिलाने का ऐलान भी किया गया था। लेकिन, ये घोषणाएं आज भी धरातल पर नहीं उतर सकी हैं।

पिकनिक और वन भोज के लिए पर्याप्त खुली जगह : जलप्रपात तक उतरने के लिए 316 सीढ़ियां है, जिसका निर्माण लगभग डेढ़ दशक पहले वन विभाग द्वारा कराया गया था। पिकनिक और वन भोज के लिए पर्याप्त खुली जगह तो है, लेकिन सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं का नामोनिशान नहीं है।

तमासिन जलप्रपात का नाम केवल झारखंड तक ही नहीं, बल्कि बिहार और पश्चिम बंगाल में भी प्रसिद्ध है। तमासिन जलप्रपात की प्राकृतिक सुंदरता के साथ इसकी धार्मिक और ऐतिहासिक महत्ता भी जुड़ी हुई है। माना जाता है कि यह रमणीय स्थल कभी महान ऋषि मातंग का आश्रम हुआ करता था, जो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता को बढ़ाता है।

श्रद्धालु दूर-दराज से पूजा-अर्चना के लिए भी यहां आते हैं : जलप्रपात के पास एक प्राचीन गुफा मौजूद है, जिसके अंदर तमोगुण की अधिष्ठात्री तामसी देवी या तमसा देवी का मंदिर स्थापित है। श्रद्धालु दूर-दराज से पूजा-अर्चना के लिए भी यहां आते हैं। भक्तों की गहरी आस्था है कि देवी तमासीन की पूजा करने से उनके जीवन से तमोगुण (अज्ञानता, नकारात्मकता) का नाश होता है, मानसिक शांति मिलती है और इच्छाएं पूरी होती हैं। मकर संक्रांति जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान, श्रद्धालु दूर-दराज से आकर जलप्रपात के कुंडों में पवित्र स्नान करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यहाँ स्नान करने से पापों का निवारण होता है। कई श्रद्धालुओं ने यह बताया कि उन्होंने संतान प्राप्ति के लिए मन्नत मांगी थी, जो पूरी हुई, जिसके बदले में वे तमसा देवी मंदिर में बकरे की बलि देते हैं।

जलप्रपात के गहरे स्थान पर जमावड़ा न लगाएं: डीडीसी

इधर, चतरा डीडीसी अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि चतरा जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड में स्थित तमासिन जलप्रपात काफी खूबसूरत और आकर्षण का केंद्र है, लेकिन उससे कई गुना अधिक खतरनाक और जानलेवा भी है। जिला प्रशासन द्वारा अपील की जा रही है कि लोग जानलेवा जगह पर न जाएं, फिसलन भरी जगह पर न जाएं और जलप्रपात के गहरे स्थान पर जमावड़ा न लगाएं।

विकास कार्यों को लेकर डीडीसी ने कहा कि तमासिन जलप्रपात के विकास को लेकर वह तत्पर हैं। उन्होंने डीएमएफटी के अलावा पर्यटन पदाधिकारी के साथ समीक्षा कर पर्यटन सेल गठित की है।

संक्षिप्त समाचार

ठगी मामले में मैक्सीजोन चिटफंड कंपनी के ठिकानों पर ईडी का छापा

राज्य ब्यूरो, रांची। करीब 521 करोड़ रुपये के ठगी की आरोपित चिटफंड कंपनी मैक्सीजोन के विरुद्ध मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच कर रही ईडी की टीम ने गुरुवार की सुबह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 20 ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। यह छापेमारी दिल्ली, नोएडा व गाजियाबाद इलाके में स्थित ठिकानों पर चल रही है। मैक्सीजोन चिटफंड घोटाला केस में जमशेदपुर में तीन प्राथमिकियां दर्ज हैं। इन्हीं प्राथमिकियों के आधार पर ईडी की रांची स्थित जोनल कार्यालय में पीएमएलए के तहत इंफोर्समेंट केस इंफार्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज किया गया था। इसी केस के आधार पर ईडी ने 16 सितंबर 2025 को भी ईडी ने इस चिटफंड कंपनी के संचालकों से जुड़े झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान व कर्नाटक स्थित ठिकानों पर छापेमारी की थी। चिटफंड कंपनी मैक्सीजोन के निदेशक चंद्रभूषण सिंह व उनकी पत्नी प्रियंका सिंह हैं। उन पर आरोप है कि उन लोगों ने निवेश पर बेहतर निवेश का लालच देकर लोगों से 521 करोड़ रुपये की ठगी की थी। ठगी की यह राशि 21 बैंकों में जमा की गई थी। ईडी ने जांच में पाया है कि ठगी के रुपयों से चंद्रभूषण ने करोड़ों की चल-अचल संपत्ति अर्जित की है। मैक्सीजोन के निदेशक चंद्रभूषण सिंह अपना नाम बदलकर दीपक सिंह के रूप में नोएडा में रहता था, जिसे वहां की पुलिस ने ठगी मामले में गिरफ्तार किया था। चंद्रभूषण सिंह मूल रूप से बिहार के वैशाली जिले का निवासी है। उसके निर्देशन वाली चिटफंड कंपनी मैक्सीजोन के विरुद्ध जमशेदपुर में तीन केस के अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान व कर्नाटक में भी प्राथमिकी दर्ज है।

तीन दिन से लापता प्लंबर का शव नदी से बरामद, साथियों पर हत्या कर फेंकने का आरोप

जमशेदपुर, एजेंसी। के मानगो स्थित ओलिडीह थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज आपराधिक वारदात का खुलासा हुआ है। शंकोसाई रोड नंबर 1, श्यामनगर के निवासी 24 वर्षीय प्रदीप साव का शव गुरुवार सुबह स्वर्णरेखा नदी से बरामद किया गया। एनडीआरएफ की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में तलाशी अभियान चलाकर शव को बाहर निकाला। प्रदीप पिछले तीन दिनों से लापता था, जिसकी गुमशुदगी की शिकायत उसके भाई दीपक साव ने दर्ज कराई थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि प्रदीप प्लंबर का काम करता था। पुलिस की पूछताछ में उसके तीन साथियों पर संदेह गहरा गया है। आरोप है कि 30 नवंबर की रात इन तीन युवकों ने धारदार हथियार से प्रदीप की हत्या कर शव को स्वर्णरेखा नदी में फेंक दिया। पुलिस ने तीनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, हालांकि आधिकारिक तौर पर गिरफ्तारी की पुष्टि अब तक नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि संदिग्धों की निशानदेही पर ही शव बरामद हुआ। प्रदीप के भाई के अनुसार, 30 नवंबर की रात करीब नौ बजे वह घर से निकला था और उसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों और आस-पड़ोस में उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने आरोप लगाया था कि स्थानीय युवक कुंदन पोलियो, रवि बाला और बाबू उर्फ लूडो ने प्रदीप के साथ मारपीट की थी। आशंका है कि वे उसे श्यामनगर के पास नदी किनारे ले गए और वहीं उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। इसी रात से प्रदीप का मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ मिला था, जिससे अनहोनी की आशंका और गहरा गई थी। घटना के समय प्रदीप ब्लू जीन्स, ग्रे स्वेटर और ब्लू चप्पल पहने हुए था। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने उसके साथियों को बुधवार को हिरासत में लिया था। पूरे मामले की जांच जारी है और पुलिस घटनाक्रम की हर कड़ी को खंगाल रही है।

गिरिडीह में 28.50 लाख की अवैध शराब जब्त

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह पुलिस ने डुमरी-पीरटांड़ मार्ग पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 28.50 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त की है। इस अभियान में तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह शराब पानी की पेटियों के पीछे छिपाकर ले जाई जा रही थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध शराब से भरा एक ट्रक, एक एसयूवी से एस्कॉर्ट करवाते हुए बिहार ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर एसपी डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई। टीम ने पीरटांड़ थाना के पास वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान एक लाल रंग की कार पुलिस बैरिकेड तोड़कर फरार होने की कोशिश में आगे निकल गई। हालांकि, ट्रक को पुलिस ने मौके पर ही रोक लिया। बाद में कार का पीछा कर उसे भी पकड़ लिया गया। ट्रक की तलाशी लेने पर पुलिस टीम को भारी मात्रा में शराब मिली। पानी की पेटियों के पीछे लगभग 380 पेटी प्रीमियम व्हिस्की (कुल 4560 बोतलें) बरामद की गईं। इसके अलावा, 32 पेटी पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर भी मिली। जब्त शराब की अनुमानित बाजार कीमत करीब 28.50 लाख रुपए आंकी गई है। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें ट्रक चालक मुबारिक, कार चालक रोहित गोप और राहुल शर्मा उर्फ बालमुकुंद निराला उर्फ महादेव गणेश शामिल हैं।

धनबाद में गैस रिसाव, दो महिलाओं की मौत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के केंदुआडीह थाना क्षेत्र स्थित चिल्ड्रन पार्क के निकट अग्नि व भू-धसान प्रभावित राजपूत बस्ती में जहरीले कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का दो दिनों से रिसाव जारी है। इसी बीच क्षेत्र में रह रही दो महिलाओं की मौत हो गई। आशंका है कि जहरीले गैस की वजह से उनकी जान गई है।

बुधवार देर शाम प्रियंका देवी की मौत हुई थी। वहीं, गुरुवार को ललिता देवी ने भी दम तोड़ दिया। वहीं, क्षेत्र में एक दर्जन बच्चे-महिलाएं बीमार हैं। लगातार हो रही इन मौतों ने स्थानीय लोगों के गुस्से को उबाल पर ला दिया है। हालांकि दोनों महिलाओं की मौत किस कारण से हुई है, यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

दुर्गंध और गैस रिसाव ने लोगों का जीना मुश्किल : बंद पड़ी भूमिगत केंदुआडीह कोलियरी के 13 और 14 नंबर सिम से पिछले दो दिनों से गैस रिसाव हो रहा है। गैस का असर केंदुआडीह के राजपूत बस्ती, मस्जिद मोहल्ला, ऑफिसर कॉलोनी सहित करीब 10 हजार की आबादी वाले इलाके में देखा जा रहा है। लगातार फैल रही दुर्गंध और गैस रिसाव ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है।

लोगों ने की सुरक्षित पुनर्वास की मांग : जहरीली गैस का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। गैस के प्रभाव से दो महिलाओं की मौत के बाद पूरे इलाके में तनाव और भय का माहौल है। इधर, इसके विरोध में ग्रामीणों ने धनबाद-रांची मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। सड़क पर टायर जलाकर लोगों ने जिला प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उन्हें सुरक्षित पुनर्वास नहीं दिया जाता और जहरीली गैस के स्रोत को चिह्नित कर बंद नहीं किया जाता, तब तक वे जाम नहीं हटाएंगे।

स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार ठाकुर ने बताया कि अब तक दो महिलाओं की जान जा चुकी है और लगभग 15-20 लोग बीमार हैं। उन्होंने कहा कि यदि गैस रिसाव बंद नहीं हुआ तो और भी लोगों की जान जा सकती है। उनकी मांग है कि उचित मुआवजा दिया जाए और सुरक्षित जगह पर पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।

बीसीसीएल ने रहने के लिए उचित विकल्प नहीं दिया: पूर्व मेयर : पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने भी बीसीसीएल प्रबंधन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल ने कई जगह नोटिस तो दिया, लेकिन रहने के लिए उचित विकल्प नहीं दिया। उन्होंने कहा कि डीजीएमएस, सीआईएमएफआर और आईएसएम जैसे बड़े संस्थान यहां मौजूद हैं। ऐसे में तुरंत बैठक कर समाधान निकाला जाना चाहिए।

क्योंकि दो मौतें हो चुकी हैं और कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। स्थानीय लोगों में दहशत इतनी है कि कई परिवार घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर शरण ले रहे हैं। बीसीसीएल की टीम लगातार माइक से घोषणा कर लोगों को यहां से स्थानांतरण की अपील कर रही है।

400 फीट दायरे में गैस रिसाव: प्रोजेक्ट ऑफिसर : इधर, प्रोजेक्ट ऑफिसर लखन लाल वर्णवाल ने बताया कि करीब 15 वर्षों से बंद पड़ी कोलियरी में गैस जमा थी, जो जमीन क्रैक कर बाहर निकल रही है। लगभग 400 फीट दायरे में गैस का प्रभाव देखा गया है। माइकिंग कर सभी को घर खाली करने और सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की जा रही है। बीसीसीएल ने दो जगहों पर टेंट लगाकर 15-20 परिवारों के लिए आपातकालीन आश्रय तैयार किया है।

चार माह में पुराने ओपीडी से पीजी ब्लॉक में शिफ्ट होंगे आठ विभाग

धनबाद, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) अजय कुमार सिंह ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में संचालित सभी विभागों को पीजी ब्लॉक के नये भवनों में शिफ्ट करने का निर्देश दिया था. उन्होंने स्पष्ट कहा था कि चार माह की निर्धारित समय सीमा में मेंटेनेंस व नयी सुविधाओं का विकास पूरा कर सभी विभागों को स्थानांतरित करें. एसएनएमएमसीएच के अधीक्षक डॉ डीके गिंदौरिया ने बताया कि पीजी ब्लॉक के दो भवनों में अगले चार माह तक विशेष मेंटेनेंस कार्य चलाये जायेंगे. इस दौरान भवन के अंदरूनी ढांचे से लेकर मरीजों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जायेगा. अस्पताल प्रबंधन की योजना पीजी ब्लॉक को मॉडल ओपीडी कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित करने की है.

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार नयी बिल्डिंग को मरीजों के अनुकूल ढंग से तैयार किया जायेगा. वर्तमान में पुराने ओपीडी बिल्डिंग में भीड़ एवं जगह की कमी से कई बार मरीजों को असुविधा होती है. इन समस्याओं को दूर करने के लिए पीजी ब्लॉक स्थित दोनों भवनों में रैंप निर्माण व अत्याधुनिक लिफ्ट लगाये जायेंगे. वहीं इलेक्ट्रिकल सिस्टम, वेंटिलेशन, फर्नीचर, वेटिंग एरिया, काउंटर स्पेस और डॉक्टर कक्ष का भी नवीकरण किया जायेगा. पुरानी ओपीडी में संचालित ऑर्थोपेडिक विभाग (ऑर्थो), मेडिसिन विभाग, पीडियाट्रिक (पिडिया) विभाग, गायनी एवं प्रसूति विभाग, जनरल सर्जरी, वैक्सीनेशन सेंटर, फिजियोथेरेपी विभाग, एआरवी एवं एचआइवी केंद्र पीजी ब्लॉक स्थित नये भवनों में शिफ्ट किये जायेंगे. इन विभागों के पीजी ब्लॉक में शिफ्ट होने से मरीजों को एक ही कैंपस में सभी विशेषज्ञ सेवाएं मिल सकेंगी.

एसीएस अजय कुमार सिंह ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिया है कि चार माह की तय अवधि में सभी निर्माण व मरम्मत कार्य पूरे किये जायें. उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने व किसी भी प्रकार की देरी न होने देने का निर्देश दिया है.

कोहरे के बहाने हर साल ट्रेन बंद करने की परंपरा, लोस में सांसद ने झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस रद का उठाया मुद्दा

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने बुधवार को लोकसभा में नियम 377 के तहत 12873/12874 हटिया-आनंद विहार अप/डाउन झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस का परिचालन रद्द होने से संबंधित अति महत्वपूर्ण मामला उठाया है।

सदन के माध्यम से रेल मंत्री का ध्यानाकृष्ट कराते हुए सांसद विष्णुदयाल ने कहा कि रेलवे बोर्ड द्वारा ठंड के मौसम में कोहरे का बहाना बनाकर वर्षों से 12873/12874 हटिया-आनंद विहार अप/डाउन झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस का परिचालन रद कर दिया जाता है।

ऐसा लगता है कि ठंड के मौसम में इस ट्रेन का परिचालन रद करने की एक परंपरा सी बन गयी है। पिछले वर्ष भी रेलवे ने कोहरे का बहाना बनाकर उक्त ट्रेन का परिचालन रद करने का निर्णय लिया था। लेकिन रेल मंत्री से जनता को आवगमन की कठिनाईयों से अवगत कराने पर उन्होंने उक्त ट्रेन को बंद करने के निर्णय को रद कर दिया था।

अब इस इस वर्ष भी रेलवे ने कोहरे का बहाना बनाकर 1 दिसम्बर 2025 से 27 फरवरी 2026 तक बंद करने का निर्णय लिया है। बताया कि उक्त ट्रेन से सर्वाधिक लाभ पलामू संसदीय क्षेत्र के पलामू व गढवा जिले के लोगों को मिलता है।

देश की राजधानी से कनेक्ट होने व दिल्ली में उच्चतर चिकित्सा संस्थान में इलाज हेतु आने जाने के लिए झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस सर्वोत्तम साधन है। पलामू, गढ़वा, लातेहार (झारखंड) व सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) आकांक्षी जिलों की सूची में शामिल हैं।

इन जिलों के छात्र/छात्राओं, व्यवसायियों व मरीजों के आवागमन के साधन को बढ़ाने के बजाय तीन माह के लिए कम करना उचित नहीं है। सांसद ने बताया कि उक्त संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार को भी पत्र लिखकर आग्रह किया है। यह जानकारी सांसद के निजी सचिव अलख दुबे ने दी है।

जमशेदपुर में चार दिनों से लापता युवक का मिला शव

नशे का था आदि, परिजनों ने दोस्तों पर ही लगाया हत्या का आरोप, तीन हिरासत में

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के शंकोसाई में चार दिनों से लापता युवक का शव गुरुवार को स्वर्णरेखा नदी से बरामद किया गया। श्यामनगर छठ घाट के पास पानी में उपलाता शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मृतक के तीन दोस्तों पर आरोप लगाया है, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

मृतक की पहचान ओलीडीह थाना क्षेत्र के श्यामनगर निवासी 24 वर्षीय प्रदीप साहू के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, प्रदीप नशे का आदि भी था। दो साल पहले एक नाबालिग लड़की को लेकर भागने के आरोप में जेल भी गया था। ओलीडीह थाना के एसआई विजय कुमार यादव ने बताया कि स्थानीय लोगों ने सुबह नदी में एक शव उपलाता देखा, जिसकी पहचान बाद में प्रदीप साहू के रूप में हुई। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई।

मृतक के पिता पारस साहू ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि रविवार को प्रदीप को उसके तीन साथी, कुंदन, बाला और लूडो अपने साथ ले गए थे। पारस साहू के अनुसार, इन्हीं तीनों ने प्रदीप की हत्या कर शव को रात में स्वर्णरेखा नदी में फेंक दिया। पुलिस ने इन तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

इधर, सूचना मिलते ही शंकोसाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने अभी तक इस संबंध में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका प्रबल मानी जा रही है। प्रदीप साहू बीते चार दिनों से लापता थे और परिजन लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। परिवार ने प्रदीप की गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी थी और लगातार संपर्क में था, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पा रही थी। शव की पहचान होते ही परिवार में मातम छा गया।

अब झारखंड में सेकेंड हैंड गाड़ी बेचने के बदलेंगे नियम

रांची, एजेंसी। सेकेंड हैंड वाहनों की खरीद-बिक्री के नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए केंद्र सरकार ने अब पूरे देश में यह प्रक्रिया केवल अधिकृत डीलरों के माध्यम से अनिवार्य कर दी है. झारखंड सरकार ने भी इस नयी व्यवस्था को लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिये हैं.

इसी संबंध में मंगलवार को देवघर में मोटरयान निरीक्षक (एमवीआइ) बिमल किशोर सिंह ने जिले के सभी वाहन डीलरों के साथ बैठक कर विस्तृत जानकारी दी. एमवीआइ ने बताया कि नये नियम लागू होने के बाद कोई भी वाहन मालिक अपने स्तर से किसी दूसरे व्यक्ति को वाहन नहीं बेच सकेगा. दोपहिया, चारपहिया सहित परिवहन विभाग के दायरे में आने वाले सभी वाहन केवल अधिकृत डीलर के माध्यम से ही खरीदे-बेचे जा सकेंगे. इससे न केवल प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी, बल्कि फर्जीवाड़ा और विवादों पर भी रोक लगेगी.

डीलर बनने के लिए विभागीय लाइसेंस के साथ नगर निगम का ट्रेड लाइसेंस, टीआइएन नंबर और जीएसटी नंबर अनिवार्य किया गया है. डीलर द्वारा ग्राहकों से खरीदे गये हर वाहन की कीमत, उसकी स्थिति और बिक्री के समय तय नयी कीमत को विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करना होगा. वाहन की खरीद-बिक्री से होने वाले मुनाफे पर जीएसटी भुगतान भी जरूरी होगा. एमवीआइ ने कहा कि अब तक प्राइवेट फाइनेंस कंपनियों और एजेंटों के माध्यम से सेकेंड हैंड वाहनों की बिक्री में कई प्रकार की समस्याएं सामने आती थीं. कागजों की गड़बड़ी, गलत मूल्यांकन, बकाया भुगतान जैसी दिक्कतें अक्सर विवादों को जन्म देती थीं, जो कई बार कोर्ट तक पहुंच जाती थीं. नयी व्यवस्था से इन विवादों में कमी आयेगी.

बैठक में डीलरों ने दूसरे राज्यों के वाहनों की खरीद से जुड़े नियम, व्यापारिक लेन-देन में आने वाली दिक्कतें और प्रक्रिया को सरल बनाने संबंधी सुझाव दिये. एमवीआइ ने सभी डीलरों से एक सप्ताह के भीतर अपनी समस्याएं और सुझाव लिखित रूप में विभाग को भेजने को कहा, ताकि मुख्यालय स्तर पर आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त कर नियमों को और आसान बनाया जा सके.

एमवीआइ ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी होने के बाद जनवरी के अंतिम सप्ताह या फरवरी के पहले सप्ताह से नयी प्रणाली लागू कर दी जायेगी. नये नियम लागू होने के बाद हर वाहन की एमवीआइ स्तर पर जांच अनिवार्य होगी, जिससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि चोरी, फर्जी दस्तावेज और गलत मूल्यांकन जैसे मामलों पर भी रोक लगेगी.

कोडरमा थाना क्षेत्र के सलैया गांव में विस्फोटक से बच्चा गंभीर रूप से घायल

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा थाना क्षेत्र के सलैया गांव में बुधवार रात एक बच्चा विस्फोटक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे की पहचान 14 वर्षीय त्रिलोकी उर्फ लव कुश दास, पिता बिरजू दास के रूप में हुई है। बच्चे के पिता बिरजू दास ने बताया कि त्रिलोकी बुधवार को परिवार के साथ जानवर चराने गांव से सटे खेतों की ओर गया था। जानवर चराने के बाद जब वह घर लौट रहा था, तभी खेतों में रखे एक विस्फोटक पर उसका पैर पड़ गया।

पैर पड़ते ही विस्फोटक फट गया, जिससे बच्चा दूर जा गिरा और उसके पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। धमाके की आवाज सुनकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और बच्चे को तुरंत स्वास्थ्य उपचार केंद्र ले गए।

प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बिरजू दास के अनुसार, सलैया गांव से सटे जंगल में घूमने वाले जानवरों को मारने के लिए कुछ लोग मिट्टी खोदकर जमीन के नीचे कपड़े में बांधकर विस्फोटक रखते हैं। उनका बच्चा इसी की चपेट में आ गया। यह पहली घटना नहीं है। कुछ महीने पहले भी ऐसी ही एक घटना हुई थी, जब एक गाय ने मिट्टी में छिपे विस्फोटक को मुंह में ले लिया था।

रांची में झारखंड आंदोलनकारियों को किया गया सम्मानित, डीसी ने किया प्रमाण पत्र का वितरण

रांची, एजेंसी। झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित करने के लिए रांची में बुधवार को जिला प्रशासन की ओर से एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया. मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में हुए इस समारोह में जिले के तीन हजार से अधिक अधिसूचित झारखंड आंदोलनकारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम में रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन मौजूद थे. दोनों अधिकारियों ने चुनिंदा आंदोलनकारियों को प्रतीकात्मक रूप से प्रमाण-पत्र सौंपकर राज्य सरकार की ओर से सम्मान व्यक्त किया. कार्यक्रम में डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि

झारखंड आंदोलनकारी राज्य निर्माण की नींव हैं और उनके संघर्ष को हमेशा याद रखा जाएगा. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आंदोलनकारियों की सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के संरक्षण को लेकर गंभीरता से काम कर रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड राज्य आंदोलनकारियों के लंबे संघर्ष और बलिदान की बदौलत अस्तित्व में आया है और वे भविष्य में भी राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे.

कार्यक्रम में अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, नजारत उपसमाहर्ता सुदेश कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद थे. समारोह के माध्यम से जिला प्रशासन ने यह संदेश दिया कि झारखंड आंदोलनकारियों के योगदान को सर्वोच्च सम्मान दिया जाएगा।

जमशेदपुर में खुला झारखंड का पहला सिकल सेल एनीमिया लैब

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी जमशेदपुर दौरे पर कई कार्यक्रम में शामिल हुए. इस दौरान खास महल स्थित सदर अस्पताल परिसर में बने राज्य का पहला सिकल सेल एनीमिया लैब का उद्धघाटन किया. मौके पर पोटका विधायक संजीव सरदार, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, टाटा स्टील के वीपीसीएस के अलावा जिला चिकित्सा पदाधिकारी मौजूद रहे.

बेहतर व्यवस्था भी जरूरी है: विधायक पूर्णिमा

मौके पर विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया पीड़ितों की संख्या ज्यादा है. झारखंड में सिकल सेल एनीमिया जांच के लिए लैब की जरुरत तो पूरी हुई है लेकिन यहां थैलेसीमिया जांच के लिए बेहतर व्यवस्था भी जरूरी है. जिससे मरीजों को दूसरे जगह जाकर आर्थिक बोझ ना उठाना पड़े.

वहीं, विधायक संजीव सरदार ने कहा कि ग्रामीणों को सही और सुरक्षित चिकित्सा लाभ हो, सरकार इस दिशा में काम कर रही है. इस नए लैब का उद्धघाटन होना पोटका विधानसभा के लिए गर्व की बात है. जबकि टाटा स्टील के वीपीसीएस सुन्दर रामम ने कहा कि टाटा स्टील फाउंडेशन इस तरह की योजना के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करती है.

पांच सौ बेड वाला बनेगा एक और अस्पताल

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड में अब स्वास्थ्य की सीट बढ़ाकर 250 कर दी गई है. इससे राज्य में डाक्टरों की तदाद भी बढ़ेगी. हमारा प्रयास है कि चिकित्सा के क्षेत्र में हर तरह की सुविधा उपलब्ध हो. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर को इलाज का हब बनाएंगे. यहां पांच सौ बेड वाला एक और अस्पताल तैयार किया जाएगा. ऐसी व्यवस्था भी की जा रही है कि झारखंड में अब ष्टष्ट और ढ्ढष्ट का रेट पूरे राज्य में एक समान होगा. इसके अलावा प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज की मृत्यु होने पर अस्पताल को बिना शुल्क के शव उनके परिजन को देना होगा.

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि पूरे राज्य में एक माह के अंदर एनीमिया और सिकल सेल की जांच कराएंगे. इस बीमारी को रोकना हमारी सरकार का लक्ष्य है. झारखंड के अस्पतालों में डॉक्टर नियमित सही समय पर आए. किसी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी. पिछले 20 साल में कुछ नहीं हुआ, लेकिन अब राज्य में चिकित्सा व्यवस्था बेहतर बनाएंगे. बता दें कि सदर अस्पताल परिसर में 6 करोड़ 38 लाख 90 हजार की लागत से 100 बेड वाला प्री फ्रैब्रिकेटेड हाई टेक सुविधा वाला सिकल सेल एनीमिया जांच लैब का निर्माण किया गया है.

संक्षिप्त समाचार

घनश्यामपुर पुलिस ने खोया मोबाइल लौटाया

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिले के घनश्यामपुर पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत तीन महीने पहले गुम हुआ एक मोबाइल फोन उसके मालिक को लौटा दिया है। एएसआई अशोक कुमार ने बताया कि घनश्यामपुर गांव निवासी सुमित कुमार का मोबाइल भारतीय स्टेट बैंक जाते समय गुम हो गया था। उन्होंने इसकी शिकायत घनश्यामपुर थाने में दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी आलोक ने जानकारी दी कि सुमित कुमार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। गुम हुए मोबाइल फोन को मधुबनी जिले के भेजा थाना क्षेत्र के बलथी गांव से मंगलवार देर रात बरामद किया गया। बरामद मोबाइल सुमित कुमार को सौंप दिया गया है। मोबाइल वापस मिलने पर सुमित कुमार ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

नालंदा में हादसा, पिता के सामन बेटे की मौत

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में मंगलवार की सुबह एक बच्चे की हादसे में मौत हो गई। वो अपने पिता के साथ ट्रैक्टर पर बैठा हुआ था। पिता ट्रैक्टर से खेत की जुताई कर रहे थे, बेटा भी बगल में बैठा था। अचानक ब्रेक लेने पर बेटा ट्रैक्टर के नीचे रोटावेटर के पास गिर गया। जिससे खेत की जुताई हो रही थी। उसे रोटावेटर से बच्चे की मौत हो गई। बच्चे को पहले सरमेरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक मोती बीघा गांव के रहने वाले संजीव पासवान के बेटे (8) कृष कुमार है। घटना सरमेरा थाना क्षेत्र के मोती बीघा गांव की है। कृष कुमार दो भाई और एक बहन में सबसे बड़ा था। वह गांव के ही मध्य विद्यालय में छठी कक्षा में पढ़ाई करता था। परिजन मॉडल अस्पताल में मौत की पुष्टि के बाद, शव को बिना पोस्टमॉर्टम कराए ही अपने साथ लेकर गांव चले गए।

गैर जिम्मेवार अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी, सभी जिलों में लैंड बैंक बनेगा

पटना, एजेंसी। अतिक्रमण के मामलों में केवल अतिक्रमणकारी ही नहीं, बल्कि संबंधित अधिकारी और कर्मचारी भी जिम्मेवार हैं। अधिकारियों की लापरवाही से भी अतिक्रमण होता है, जिसे न्यायालय के आदेश पर हटाया जाता है। इससे गरीब जनता परेशान होती है। उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को कहा कि अतिक्रमण रोकने और मुक्त कराने की संयुक्त जिम्मेवारी तय होगी। जांच कर गैर जिम्मेवार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उनसे वसूली की कार्रवाई होगी। स्थानीय थाना और अंचल प्रशासन ईमानदारी से कार्य करें, ताकि अतिक्रमण की स्थिति न बने। सिन्हा ने सभी जिलों में लैंड बैंक बनाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कई जिलों में सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायतें मिल रही हैं। इसके समाधान के लिए विशेष टीम गठित की जाएगी। सिन्हा ने लगातार दूसरे दिन राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री ने अंचलाधिकारी से लेकर प्रमंडलीय आयुक्त स्तर तक के राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों पर चिंता जताई। कहा कि पीड़ित जनता को बार-बार कार्यालयों का चक्कर लगाने की मजबूरी स्वीकार्य नहीं है। अत्यधिक पेंडिंग वाले न्यायालयों में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त अधिकारी की तैनाती की जाएगी। राजस्व न्यायालयों में पेंडिंग केस घटाएं। उन्होंने जिलों के गजेटियर निर्माण की समीक्षा भी की। सारण का गजेटियर तैयार है। पटना और दरभंगा का गजेटियर अंतिम चरण में है। सहरसा और पूर्णिया प्रमंडल के सात जिलों का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तीनों निदेशालयों के कार्यों की प्रगति पर चर्चा की।

महिला की मौत होने के बाद नर्सिंग होम में हंगामा

पटना, एजेंसी। बाढ़ 7 बाढ़ थाना क्षेत्र के भुवनेश्वरी चौक के पास स्थित एक निजी नर्सिंग होम में बुधवार को उपचार के दौरान एक महिला मरीज की मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही और मनमाने पैसे वसूलने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। मृतका श्रुति कुमारी थी। परिजनों के मुताबिक, 28 नवंबर को बाइक से गिरने के दौरान श्रुति के सिर में गंभीर चोट आई थी। इसके बाद उसे बेहतर इलाज की उम्मीद में उक्त नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। मृतका के देवर शालू कुमार ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने मरीज को ठीक करने का भरोसा दिया था और इलाज के नाम पर प्रतिदिन 5,000 रुपए लेते रहे।मरीज को लगातार वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। परिजन का आरोप है कि मंगलवार को अस्पताल प्रबंधन ने अचानक मरीज की स्थिति गंभीर बताते हुए पटना रेफर करने की बात कही और इसके लिए 2 लाख रुपए जमा करने का दबाव बनाया।

राज्यपाल के अभिभाषण पर नीतीश ने पेश किया विकास का ब्लूप्रिंट, शिक्षा-स्वास्थ्य और महिला सशक्तीकरण पर जोर

पटना, एजेंसी। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के पक्ष में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा में अपनी सरकार के दो दशक लंबे विकास अभियान का विस्तृत लेखा-जोखा पेश किया।

उन्होंने कहा कि 24 नवंबर 2005 से लगातार बिहार के विकास के लिए कार्य कर रहा हूं और आगे भी हमारा एकमात्र उद्देश्य बिहार को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भारी बहुमत देकर एनडीए सरकार पर विश्वास जताया।

नीतीश कुमार ने अपने संबोधन के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण तथा सर्वधर्म सद्भाव से जुड़े कार्यों को विशेष रूप से रेखांकित किया।

उन्होंने बताया कि स्कूलों में आधारभूत संरचनाओं के निर्माण से लेकर छात्राओं की उच्च शिक्षा में वृद्धि तक कई निर्णायक कदम उठाए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, अस्पतालों में सुविधाओं को बढ़ाने और गांव-गांव तक चिकित्सा पहुंचाने को सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के उत्थान के बिना बिहार का विकास संभव नहीं। इसी लक्ष्य के तहत महिलाओं को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता की योजना लागू की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि सकारात्मक परिणाम दिखा, तो राशि को बढ़ाकर दो लाख रुपये तक किया जाएगा।

सभा में नीतीश कुमार ने कब्रिस्तान और मंदिरों की घेराबंदी के लिए किए गए कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह काम केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए भी आवश्यक था।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं आने वाले वर्षों में बिहार को विकास के नए आयाम देंगी। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राज्य के विकास में सहयोग करें।

माफिया और भ्रष्टाचारियों को नहीं बख्शा जाएगा, कानून सबके लिए बराबर', विधानसभा में सम्राट के सख्त तेवर

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर सरकार की ओर से जवाब देते हुए गृह मंत्री सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सदन में कड़ा संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि माफिया, भ्रष्टाचारियों से लेकर सार्वजनिक रूप से गाली देने वाले तक, इस सरकार में कोई नहीं बचेगा। उनके अनुसार कानून सबके लिए समान है और राज्य सरकार किसी भी प्रकार की अराजकता को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि यह सरकार जनता के आशीर्वाद से बनी है और जनता ने जिस विजन पर विश्वास किया, उसी का प्रतिबिंब राज्यपाल का अभिभाषण है, इसलिए अभिभाषण को समर्थन मिलना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि सरकार का हर कदम 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से प्रेरित है और किसी भी योजना में भेदभाव नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार में सुशासन की स्थापना नीतीश कुमार की देन है। उन्होंने राज्य में लगातार बढ़ रहे मेडिकल कॉलेजों, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में हुए कार्यों का विशेष उल्लेख किया।

गृह मंत्री ने बताया कि राज्य में 60 लाख परिवारों को पक्का मकान दिया गया और साढ़े आठ करोड़ लोगों को अनाज उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि बिना जाति पूछे, बिना भेदभाव किए सरकार प्रत्येक जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है।

छठ पर्व के दौरान 12 हजार से अधिक ट्रेनों के परिचालन, ऊर्जा विभाग द्वारा लागू बिजली बिल माफी योजना, गरीबों को सामाजिक सुरक्षा देने जैसी पहलें गिनाते हुए सम्राट ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण पूरी तरह जमीनी हकीकत और सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने सदन से इसे पास करने का आग्रह किया।

वाद-विवाद के दौरान दोनों पक्षों से कई नेताओं ने अपनी राय रखी। विजय सिन्हा, विजय चौधरी, राजद के सर्वजीत, अजय कुमार, संदीप सौरभ, राजू तिवारी समेत अन्य विधायकों ने अभिभाषण पर अपने-अपने तर्क दिए। विपक्ष ने सरकार की कई योजनाओं पर सवाल उठाए, जबकि सत्तापक्ष ने सरकार की उपलब्धियों को मजबूत तर्कों के साथ रखा।

पटना जंक्शन पर 1.50 लाख रुपए की हेरोइन के साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। एसटीएफ और जक्कनपुर थाने की पुलिस ने दो हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों किसी ट्रेन से उतर कर करबिगहिया की ओर से जा रहे थे। गिरफ्तार तस्कर अमित और राजू वैशाली के गंगा ब्रिज थाना इलाके के रहने वाले हैं। उनके पास से करीब डेढ़ लाख की 22.46 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। ये असम के सिल्चर से हेरोइन लेकर आए थे।

राघोपुर और पटना में सप्लाई करते हैं। अमित और राजू हाइवा चालक हैं। बालू के अवैध खनन में हाइवा चलाते थे। बालू के अवैध खनन पर कड़ाई हो गई तो दोनों मादक पदार्थ की तस्करी करने लगे। दो बार असम के सिल्चर से हेरोइन लाकर पटना में सप्लाई कर चुके हैं। सदर एसडीपीओ वन अभिनव ने बताया कि इन दोनों के बारे में असम पुलिस से संपर्क किया जा रहा है।

जक्कनपुर थानेदार ऋतुराज ने बताया कि एक तस्कर ट्रेन पकड़कर फरार हो गया। एसटीएफ और रेल पुलिस ने पाटलिपुत्र रेल परिसर में छापेमारी कर स्मैक की तस्करी करने वाले पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 15 लाख की 67.25 ग्राम स्मैक के अलावा 2500 रुपए, दो मोबाइल और दोनों के आधार कार्ड बरामद किए गए। गिरफ्तार होने वालों में रामसागर राय और उसकी पत्नी गुड़िया देवी है। ये वैशाली के गंगा ब्रिज थाने के तेरसिया दियारा के रहने वाले हैं। दंपती के तार असम के तस्करों से जुड़े हैं। गुड़िया असम से स्मैक लेकर ट्रेन से आती है।

लैंड फॉर जॉब स्कैम, आरोप तय करने पर फैसला टला:अब 8 दिसंबर को सुनवाई

पटना, एजेंसी। लैंड फॉर जॉब मामले में आरोप तय करने पर दिल्ली की अदालत आज गुरुवार को फैसला सुनाने वाली थी। इस मामले में फिलहाल राऊज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला टाल दिया है। अब 8 दिसंबर को इस मामले पर अगली सुनवाई होगी। मामले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्य समेत कई आरोपी हैं। इससे पहले 10 नवंबर को स्पेशल जज विशाल गोगने ने सीबीआई की दायर याचिका की सुनवाई स्थगित करते हुए 4 दिसंबर की तारीख दी थी।

सीबीआई की रडार पर रतलाम मंडल के 5 कर्मी, रिकॉर्ड तलब

लैंड फॉर जॉब स्कैम के तार अब रतलाम से भी जुड़ गए हैं। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की रडार पर यहां के कई रेलकर्मी हैं। सीबीआई ने फिलहाल पांच रेलकर्मियों का वेरिफिकेशन करने के लिए रिकॉर्ड मंगाया है।

बुधवार को इसके लिए पश्चिम रेलवे मुंबई मुख्यालय का लेटर कार्यालय को मिला है। इसे वेस्टर्न रेलवे चर्चगेट की डिप्टी चीफ विजिलेंस ऑफिसर (एडमिन) रश्मि पी. लोकेगांवकर ने भेजा है। इसमें पांच कर्मचारियों की एजुकेशन क्वालिफिकेशन, डेट ऑफ बर्थ और कास्ट सर्टिफिकेट का रिकॉर्ड मंगवाया है। इसके लिए मंडल को 15 दिन का समय दिया है।

इन कर्मचारियों में से कुछ पर लैंड फॉर जॉब स्कैम तो कुछ पर भ्रष्टाचार और अन्य मामले की जांच चल रही है। बीते साल जांच के लिए इन कर्मचारियों को दिल्ली भी बुलाया गया था। सीबीआई ने जांच के लिए पश्चिम रेलवे मुख्यालय से कर्मचारियों का रिकॉर्ड भिजवाने के लिए कहा था।

यह रेलवे का एक घोटाला है, जिसमें आरोप है कि लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहते जमीन के बदले रेलवे में नौकरी दी गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रहा है। ईडी लालू यादव के परिवार से जुड़ी कुछ संपत्तियों को जब्त भी कर चुका है।

सीवान में ज्वैलरी दुकान में बदमाशों ने हथियार के बल पर की लूट, 18 लाख कीमती सोना-चांदी लूटकर फरार

सीवान, एजेंसी। सीवान में इन दिनों अपराधियों का मनोबल चरम पर है और पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ताज़ा मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र के खोड़ीपाकड़ गांव का है, जहां मंगलवार को हथियारबंद छह नकाबपोश अपराधियों ने मनमोहित ज्वेलर्स की दुकान पर धावा बोल दिया। लुटेरों ने करीब 18 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने लूटे और मौके पर पांच राउंड तक हवाई फायरिंग कर बाइक से फरार हो गए।

दुकानदार सुमित कुमार के अनुसार, वह रोज की तरह दुकान पर बैठे एक ग्राहक से बात कर रहे थे, तभी छह नकाबपोश अचानक दुकान के बाहर और भीतर फैल गए। दो अपराधी सड़क पर निगरानी में, दो मुख्य गेट पर और दो अंदर घुसकर हथियार तान दिए। उन्होंने गहने सौंपने की धमकी दी और मना करने पर गोली मारने की चेतावनी दी। भय के माहौल में अपराधी लाखों के जेवर समेटकर फायरिंग करते हुए चंपत हो गए। घटना की जानकारी के बाद सारण रेंज के डीआईजी नीलेश कुमार, सीवान के प्रभारी एसपी विक्रम सिहाग और महाराजगंज एसडीपीओ अमन कुमार समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस ने जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है, लेकिन स्थानीय व्यवसायियों और आम लोगों में दहशत और नाराज़गी साफ झलक रही है।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के टारी बाज़ार में भी ज्वेलर्स की दुकान पर दिनदहाड़े बड़ी लूट हुई थी। पुलिस ने दावा किया था कि उसने 24 घंटे में कांड का उद्भेदन कर लिया, लेकिन व्यवसायियों ने इसे संदेहास्पद बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। लगातार हो रही घटनाओं ने पुलिस की 'तत्काल कार्रवाई' और 'कड़ी निगरानी' के दावों की पोल खोलकर रख दी है।

उधर, बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने पदभार संभालते समय कहा था कि 'अब अपराधी अपराध करने की हिम्मत नहीं कर पाएंगे', लेकिन सीवान में बढ़ती घटनाएं उनके इस दावे को खुली चुनौती देती नजर आ रही हैं। हाल की घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि अपराधी न केवल बेखौफ हैं, बल्कि पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं।

पटना एयरपोर्ट पर इंडिगो की तकनीकी खराबी का असर, यात्री परेशान

पटना, एजेंसी। मौसम ठंढा होने की वजह से कई फ्लाइट तो प्रभावित हुए ही लेकिनएयरलाइन इंडिगो के क्रू रोस्टर और शेड्यूलिंग सॉफ्टवेयर में अचानक आई भीषण तकनीकी खराबी के कारण भी बुधवार को पूरे देश में लगभग 130 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। पटना एयरपोर्ट पर भी यात्री काफी परेशान रहे। तकनीकी खराबी का असर पटना के जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी साफ तौर पर दिखा, जहां दिल्ली-पटना-दिल्ली सेक्टर की तीन महत्वपूर्ण जोड़ी फ्लाइट्स को रद्द करना पड़ा। बताया जाता है कि करीब एक दर्जन से अधिक उड़ानें अपने निर्धारित समय से एक से तीन घंटे की भारी देरी से संचालित हुई। शुक्रवार सुबह की कोलकाता और दिल्ली की एक-एक फ्लाइट भी रद्द रहने की आशंका है।

तीन जोड़ी फ्लाइट्स रद्द होने के चलते अकेले दिल्ली और पटना में लगभग 1000 यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्री शादी-विवाह जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों में शामिल होने के लिए सफर कर रहे थे। यात्रियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होंने 15,000 से 18,000 रुपये तक में टिकट खरीदे थे।

इंडिगो ने अपने यात्रियों को राहत देने की घोषणा की : हालांकि इसको लेकर इंडिगो का भी बयान सामने आया है। इस संबंध में उनका कहना है कि इस तकनीकी खराबी को एक-दो दिनों में ठीक कर लिया जाएगा। साथ ही, यात्रियों को टिकट का पूरा रिफंड दिया जाएगा या वे चाहें तो अपनी यात्रा तिथि आगे भी बढ़ा सकते हैं। फ्लाइटों में देरी और रद्दीकरण की वजह से पटना एयरपोर्ट के टर्मिनल पर दिन भर भारी भीड़ और अफरातफरी का माहौल बना रहा। हालांकि, एयरलाइन ने कुछ रद्द हुई फ्लाइटों के यात्रियों को अन्य उपलब्ध विमानों से भेजने की व्यवस्था की।

पटना में मवेशी बांधने के विवाद में फायरिंग माधोपुर में दो युवकों को लगी गोली

पटना, एजेंसी। पटना के बख्तियारपुर प्रखंड के माधोपुर गांव में मवेशी बांधने को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। बुधवार शाम को हुई फायरिंग में दो युवक गोली लगने से घायल हो गए। घायलों की पहचान अनिल यादव के बेटों आकाश और आरवी कुमार के रूप में हुई है।

सूत्रों के अनुसार, सुबह मवेशी बांधने को लेकर सोनेलाल यादव और उनके तीन पुत्रों तथा अनिल यादव और उनके बेटों के बीच तीखी बहस हुई थी। यह मामूली विवाद शाम तक बढ़ गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इसी दौरान फायरिंग हुई, जिसमें दोनों युवक घायल हो गए। घायलों को बख्तियारपुर पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए PMCH रेफर कर दिया गया है। एसडीपीओ-2 आयुष श्रीवास्तव ने बताया, 'फायरिंग करने वाला युवक सोनेलाल यादव का बेटा सूरज है, जिसका आपराधिक इतिहास रहा है। वह करीब 6 महीने पहले ही जेल से रिहा हुआ था। अधिकारियों के अनुसार, सुबह हुए विवाद का समझौता भी हो गया था, लेकिन शाम को फिर तनाव बढ़ा और घटना हो गई।

दो दिन में दूसरी घटना : गांव में तनाव का माहौल है। सोमवार को भी एक पुराने विवाद को लेकर कई राउंड फायरिंग हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति घायल हुआ था। लगातार हो रही गोलीबारी से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

बिहार में दिसंबर की शुरुआत में सर्दी बढ़ी, सीजन में पहली बार तापमान 6.5डिग्री, कैमूर सबसे ज्यादा ठंडा

पटना, एजेंसी। बिहार में दिसंबर की शुरुआत में मौसम का मिजाज बदल गया है। सुबह-शाम में लगातार ठिठुरन बढ़ रही है। कई जिलों में घना कोहरा छाने लगा है। गुरुवार को पटना, बेगूसराय, किशनगंज, बेतिया, बगहा. गोपालगंज समेत 10 से ज्यादा शहरों में कोहरा छाया है।

8 जिलों में 11 डिग्री तक पारा पहुंच गया है। 24 घंटे में भागलपुर सबसे ठंडा रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान के मुताबिक, आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगा। न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। दूसरे और तीसरे सप्ताह में सर्दी अपने चरम पर पहुंच सकती है।

राज्य के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया हुआ है। खासकर उत्तर बिहार के जिलों में विजिबिलिटी सुबह के समय काफी कम हो जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले दो दिनों तक सुबह और शाम के समय कोहरा बने रहने का अनुमान जताया है। हालांकि, अभी शीतलहर जैसी गंभीर स्थिति नहीं बनेगी, लेकिन न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे गिरावट जारी रहेगी।

20 दिसंबर के बाद पड़ेगी कड़ाके की ठंड : मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, दिसंबर के तीसरे सप्ताह से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। पहले सप्ताह में न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक की गिरावट हो सकती है। वहीं, दूसरे सप्ताह में कई जिलों के न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच सकता है। तीसरे सप्ताह में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस या उससे कम पहुंच सकता है। अंतिम सप्ताह में शीतलहर चलने की संभावना है।

पछुआ हवा का असर बढ़ रहा है : मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने कहा कि, प्रदेश में पछुआ हवा चल रही है, जिसका असर पड़ रहा है। इसकी वजह से रात के तापमान में उतार-चढ़ाव हो रही है। 20 दिसंबर के बाद स्थिति बदल सकती है।

पटना में सबसे ज्यादा, भागलपुर में सबसे कम तापमान : राजधानी पटना में भी ठंड बढ़ रही है। सुबह के समय कोहरा छाए रह रहा है।

न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है और आने वाले दिनों में पटना में भी पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने का अनुमान है। भागलपुर जिले में ठंड सबसे ज्यादा महसूस की जा रही है। खासकर भागलपुर के सबौर का तापमान राज्य में सबसे कम 8.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। वहीं औरंगाबाद में भी सर्दी तेज हो गई है और यहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

संक्षिप्त समाचार

एलटी ग्रेड की परीक्षा का बदला केंद्र

लखनऊ। उप्र. लोक सेवा आयोग की ओर से छह दिसंबर को आयोजित की जा रही एलटी ग्रेड परीक्षा के केंद्रों में बदलाव किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि सात संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की परीक्षाएं अब विवि के पुराने परिसर में ही होंगी। डॉ. विद्यानंद ने बताया कि विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं चल रही हैं। इसे देखते हुए महाविद्यालयों के एलटी ग्रेड परीक्षा के केंद्रों में बदलाव किया गया है। इनमें शिया पीजी कॉलेज, मुमताज पीजी कॉलेज, नारी शिक्षा निकेतन डिग्री कॉलेज, डीएवी पीजी कॉलेज, शशिभूषण डिग्री कॉलेज, विद्यांत पीजी कॉलेज, पं. दीन दयाल उपाध्याय डिग्री कॉलेज शामिल है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित महाविद्यालयों को बदलाव की जानकारी दे दी है।

स्कूल की ड्रेस और मुंह पर कपड़ा, होटल में आ रहे थे कपल, पड़ोसियों ने बुला ली पुलिस

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के कालिंदी विहार स्थित एक होटल में बुधवार को छात्राओं के जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस पर स्थानीय लोगों ने होटल में अनैतिक गतिविधियां चलने के आरोप लगाए हैं। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं होटल संचालक ने आरोप को निराधार बताया है। कालिंदी विहार निवासी रानू यादव और गंगा प्रसाद ने पुलिस से शिकायत में कहा है कि उनके घर के पास एक होटल में बाहर से युवक छात्राओं के साथ आते हैं। उनको बिना पहचान के कमरे उपलब्ध कराए जाते हैं। आपत्ति जताने पर होटल संचालक व स्टाफ मारपीट करता है। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। आरोप लगाया कि शिकायत करने पर उन्हें उल्टा एक घंटे तक थाने की पुलिस ने पकड़े रखा, हवालात में डाल दिया। इससे शिकायतकर्ता दहशत में हैं। मंगलवार को लिखित शिकायत करने पर थाने के दरोगा ने मोबाइल छीनकर वीडियो डिलीट कर दिए।एसीपी छत्ता शेषमणि उपाध्याय ने बताया कि होटल के सामने रहने वालों ने देह व्यापार का आरोप लगाया था। सीसीटीवी फुटेज दिए हैं। होटल में कैंटीन है। आरोप की जांच की जा रही है। अवैध हिरासत में रखने की भी अलग से जांच कराई जाएगी। होटल का रजिस्टर चेक किया जाएगा।

प्रेम विवाह के 12 साल बाद नए प्रेमी के साथ गई महिला

ललितपुर। 12 वर्ष पूर्व प्रेम विवाह करने वाली महिला अपने नए प्रेमी के साथ घर से भाग गई। सीसीटीवी कैमरे में दोनों के भागने की घटना कैद हुई। पीड़ित पति ने महिला पर घर से भागते समय जेवरात ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर महिला की खोजबीन शुरू कर दी है। महरौनी कोतवाली क्षेत्र निवासी एक युवक ने बताया कि उसने 12 साल पहले 2013 में कस्बा मड़ावरा निवासी युवती से प्रेम विवाह किया था। पिछले कुछ दिनों से उसकी पत्नी मोबाइल पर किसी से बात करती थी। एक दिन जब उसने उसे मोबाइल पर बात करते हुए पकड़ा और मना किया तो उसकी पत्नी ने उसे पीट दिया था और मोबाइल तोड़ दिया था। 25 नवंबर को वह छोटे भाई की शादी का सामान लेने टीकमगढ़ गया था। उसके पिता दुकान पर थे और पत्नी घर पर अकेली थी। शाम को जब वह घर लौटा तो पत्नी घर पर नहीं मिली। उसके कपड़े, घर में रखे 60 हजार रुपये नकद और जेवरात भी गायब थे। मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो उसकी पत्नी पड़ोसी युवक के साथ सामान लेकर टैक्सी से जाती हुई दिखाई दी। पीड़ित पति ने महरौनी कोतवाली पुलिस से शिकायत की। कोतवाल राजा दिनेश सिंह ने बताया कि महिला के पति की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और महिला की खोजबीन की जा रही है।

हवाई अड्डों पर इंटर्नशिप करेंगे लखनऊ विश्वविद्यालयके विद्यार्थी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी पहली बार हवाई अड्डों पर भी इंटर्नशिप कर सकेंगे। इसके लिए विवि ने ऑनलाइन आवेदन मांगे है। चयनित विद्यार्थियों को तय मानदेय भी मिलेगा। तीन महीने की इंटर्नशिप के बाद जरूरत के अनुसार एयरपोर्टों पर कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। विश्वविद्यालय की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल से अदाणी सोशल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने संपर्क किया है। फाउंडेशन राष्ट्रीय सीएसआर कार्यक्रम प्रोजेक्ट उड़ान के तहत विश्वविद्यालय व इससे जुड़े महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप करने का मौका देने जा रहा है। आवेदन प्रक्रिया बृहस्पतिवार से शुरू होगी। चयनित विद्यार्थियों को अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट के अलावा मुंबई, जयपुर, गुवाहाटी और बंगलूरू जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। इस दौरान वे वास्तविक सीएसआर गतिविधियों और सामुदायिक विकास के कार्यों को भी जान सकेंगे। इंटर्न विद्यालयों, कॉलेजों के साथ समन्वय कर शैक्षणिक भ्रमण की योजना बनाएंगे और अदाणी समूह के व्यवसायों की जानकारी साझा करेंगे। जो विद्यार्थी लखनऊ से बाहर हवाई अड्डों पर इंटर्नशिप करेंगे, उनके रहने व खाने की भी व्यवस्था रहेगी।

74.74 करोड़ से होगा न्यू कानपुर सिटी का विकास, चौड़ा होगा मैनावती मार्ग, सीवर व वाटरलाइन का निर्माण होगा

कानपुर, एजेंसी। हुप्रतीक्षित न्यू कानपुर सिटी में योजना में सीवरलाइन, नाले, पाइपलाइन, केबल ट्रेंच का निर्माण होगा। इन कार्यों की अनुमानित लागत 74.74 करोड़ रुपये है। 25.43 करोड़ से मैनावती मार्ग भी चौड़ा होगा। जाजमऊ पुरानी चुंगी के पास कारगिल शहीद स्मारक बनेगा, जिसमें कांस्य की प्रतिमाएं लगेंगी। केडीए ने बुधवार को एक अरब 34 करोड़ 46 लाख रुपये से विभिन्न विकास कार्य कराने के लिए टेंडर जारी किए हैं। नए साल की शुरुआत में सभी विकास कार्य शुरू कराने की तैयारी की जा रही है।

मैनावती मार्ग और कल्याणपुर-सिंहपुर रोड के पास 28 साल से बहुप्रतीक्षित न्यू कानपुर सिटी योजना अब मूर्तरूप लेती नजर आ रही है। 153.20 हेक्टेयर में क्टर वार विकसित होने वाली इस योजना के जोनल मार्गों पर ट्रंक सीवर लाइन, नाला, पाइपलाइन और भूमिगत विद्युत केबल के लिए ट्रेंच निर्माण के लिए टेंडर जारी किए हैं। टेंडर डालने की अंतिम तिथि 18 दिसंबर को दोपहर तीन बजे तक है। उसी दिन शाम चार बजे टेंडर खोले जाएंगे। तकनीकी बिड की जांच और मंजूरी के बाद फाइनेंशियल बिड खुलेगी।

अनुमानित धनराशि में से सबसे कम धनराशि में कार्य के लिए टेंडर डालने वाली ठेकेदार कंपनी को कार्यादेश जारी किया जाएगा। इसी योजना में करीब 50 करोड़ रुपये से 45 मीटर चौड़े मुख्य मार्ग के साथ ही 30 मीटर और 24 मीटर चौड़े जोनल मार्गों के निर्माण के लिए दोबारा टेंडर कराए जा रहे हैं। कार्य पूरा करने की डेडलाइन 24 माह है। केडीए ने

इसी योजना से सटे सिंहपुर तिराहा से नवाबगंज तक मैनावती मार्ग के चौड़ीकरण सहित निर्माण के लिए भी टेंडर जारी किए हैं। इस कार्य की अनुमानित लागत 25.43 करोड़ रुपये और इसे पूरा करने की अवधि 15 माह है।

जवाहरपुरम मार्ग होगा चौड़ा, सीवर व वाटरलाइन पड़ेगी : विकास प्राधिकरण जवाहरपुरम सेक्टर-13 से शिवली रोड तक 12 मीटर और 24 मीटर सड़क का चौड़ीकरण और डिवाइडर निर्माण के लिए 3.47 करोड़ के टेंडर जारी किए हैं। कार्य पूरा करने की अवधि छह माह है। जवाहरपुरम योजना के ही सेक्टर-4 में 18.66 करोड़ रुपये से सड़क, सीवर, पानी की पाइपलाइन, ड्रेन और पार्क विकसित किया जाएगा। इन कार्यों के लिए भी बुधवार को टेंडर जारी हुए। जवाहरपुरम से सेक्टर 13, 14 के सामने से राजपूत चौराहा और वहां से सेक्टर-छह तक ग्रीनबेल्ट में पौधरोपण और अनुरक्षण कार्य 49.93 लाख रुपये से कराया जाएगा।

दूसरा ठेकेदार संभालेगा सिग्नेचर ग्रींस का जिम्मा : केडीए सिग्नेचर ग्रींस योजना में अनुरक्षण कार्य ब्लैक लिस्टेड की गई फर्म माया बिल्डर्स के स्थान पर दूसरे ठेकेदार को देगा। इसके लिए 7.36 करोड़ के टेंडर जारी किए हैं। माया बिल्डर्स को फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र लगाकर जवाहरपुरम और शताब्दीनगर के भवनों में अग्निशमन उपकरण लगाने का 10 करोड़ का ठेका लेकर कार्य कराए थे।

केडीए ग्रींस, केडीए ड्रीम्स में भी तीन साल सुरक्षा, सफाई का दिया जाएगा ठेका : विकास प्राधिकरण ने मैनावती मार्ग स्थित केडीए ग्रींस और शताब्दीनगर स्थित केडीए ड्रीम्स योजना में तीन साल तक मरम्मत के लिए मैनपावर आपूर्ति, मुख्य द्वार पर सुरक्षा गार्डों की तैनाती के लिए भी टेंडर आमंत्रित किए हैं। यह कार्य 1.60 करोड़ से कराया जाएगा।

जाजमऊ में बनेगा कारगिल शहीद स्मारक : जाजमऊ स्थित पुरानी चुंगी के पास कारगिल शहीद स्मारक बनेगा, इसमें कांस्य मूर्तियां लगेंगी। कार्य की अनुमानित लागत 61.19 लाख है। कार्य पूरा करने की डेडलाइन चार माह है। इसी क्षेत्र में पोखरपुर सीएंडडी में सीवरलाइन, वाटर लाइन, सड़क और नालियों का निर्माण 68.54 करोड़ से कराया जाएगा। बिरहाना रोड के पास 65 लाख से सड़क छह महीने में बनवाई जाएगी।

दोस्ती, प्यार और फिर ब्लैकमेलिंग: हसीन महिला के गैंग में सिपाही और नेता भी शामिल, अमीरों से एंठते हैं रकम

आगरा , एजेंसी। आगरा पुलिस ने मंगलवार को लोगों से दोस्ती के बाद स्पाई कैमरा एप से आपत्तिजनक वीडियो बनाने के आरोप में मैनपुरी की काजल और बाह के गणेश को गिरफ्तार किया था। कोर्ट में पेश कर उन्हें जेल भेजा गया। युवती बाह क्षेत्र में अपने मामा के पास रहती थी और ग्रेजुएट थी। पूछताछ में युवती ने बताया था कि वह ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान दो लाख रुपये हार गई थी। कर्ज चुकाने के लिए परेशान होकर कुछ भी करने को तैयार थी।

इसी दौरान उसकी बातचीत बाह के रहने वाले प्रवेंद्र से हुई। उसने कानपुर में तैनात सिपाही रियाज और प्रवेश भारद्वाज से मिलवाया और लोगों को सेक्स्टार्शन कर रकम ऐंठने का लालच दिया। प्रवेंद्र पहले इंस्टाग्राम और फेसबुक पर अमीर लोगों का पता लगाता था। उनके मोबाइल नंबर का पता लगाता था। शिकार तय होने के बाद युवती उनको मिस्ड कॉल करती और कॉल बैक करने पर लुभावनी बातों से जाल में फंसाती थी।

होटल या अन्य सुरक्षित स्थान पर संबंध बनाने के दौरान स्पाई कैमरा एप से आपत्तिजनक वीडियो बनाकर गैंग के साथियों को देती थी। इसके बाद रियाज पुलिस का रौब दिखाकर डराता था और प्रवेश अपना राजनीतिक बैकग्राउंड दिखाकर समझौता कराने के नाम पर मोटी रकम ऐंठ लेता था। पुलिस ने रियाज के नंबर पर संपर्क किया पर नंबर बंद मिला।

अब कानपुर पुलिस को उसके बारे में जानकारी दी गई है। युवती के इंस्टाग्राम और फेसबुक खातों से उसे फॉलो किए जाने वालों के बारे में पता किया जा रहा है। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सामने नहीं आते थे पीड़ित

पुलिस ने बताया कि गैंग बाह और शहर के क्षेत्रों के साथ पूर्वी जोन में भी कई लोगों को शिकार बनाया था। रुपये नहीं मिलने पर युवती नाम और पता बदल कर शिकायत करती थी। पीड़ित को पुलिस से शिकायत मिलने की जानकारी होते ही बदनामी के डर से वह रुपये दे देते थे और शिकायत नहीं करते थे।

अब आईआईएम चौराहे तक होगा ग्रीन कॉरिडोर का विस्तार

लखनऊ , एजेंसी। गोमती तट पर बन रहे 28 किमी लंबे ग्रीन कॉरिडोर को अब आईआईएम चौराहे तक बढ़ाया जाएगा। अभी यह बसंतकुंज योजना तक सीमित है, लेकिन विस्तार के बाद एलडीए की नई आवासीय योजना नैमिष नगर भी इससे जुड़ जाएगी। इस पहल से दो लाख से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलने का अनुमान है। विस्तार का प्रस्ताव पांच दिसंबर को होने वाली एलडीए बोर्ड की बैठक में रखा जाएगा।

एलडीए सीतापुर रोड पर 1804 एकड़ में नैमिष नगर विकसित कर रहा है। इसमें 18 गांवों भौली, लक्ष्मीपुर, पूरब गांव, पुरवा, सैरपुर, फरूखाबाद, कोड़री भौली, कमलापुर, पलहरी, गोपरामऊ, बारूमऊ, धतिंगरा, सैदापुर, पश्चिम गांव, धोबैला, उमरभारी और दुग्गौर की जमीन शामिल है। कमलाबाद, आवागमन सुगम बनाने के लिए योजना तक 24 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जा रही है, जिसका प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। यह सड़क सीधे आईआईएम

चौराहे से जुड़ रही है, इसलिए अब ग्रीन कॉरिडोर को भी आईआईएम चौराहे तक जोड़ने की कवायद शुरू हो गई है। विस्तार के बाद योजना से किसान पथ तक पहुंचना बेहद आसान होगा और यात्रा का समय आधे घंटे घट जाएगा।

2.50 किमी तक बढ़ेगी लंबाई : वर्तमान में बसंतकुंज से किसान पथ तक ग्रीन कॉरिडोर की लंबाई करीब 20 किमी है। इसे आईआईएम चौराहे से जोड़ने के लिए 2.50 किमी का अतिरिक्त विस्तार किया जाएगा।

इसके लिए कुछ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू हो रही है। प्रस्ताव बोर्ड बैठक में मंजूरी के लिए भेज दिया गया है।

इन इलाकों को सीधे फायदा

वसंतकुंज, दुबग्गा, पक्का पुल, डालीगंज, मेडिकल कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय, हनुमान सेतु, कैसरबाग, हजरतगंज, निशातगंज, अशोक मार्ग, समतामूलक चौक, गोमती नगर, 1090 चौराहा, शहीद पथ, इकाना स्टेडियम होते हुए किसान पथ तक आवागमन और आसान होगा।

कोहरे ने बिगाड़ा विमानों का संचालन, सात विमान हुए निरस्त, 20 से ज्यादा हुए लेट

लखनऊ , एजेंसी। कोहरे के चलते विमानों का संचालन लगातार बिगड़ा हुआ है। बुधवार को अमौसी एयरपोर्ट पर दिल्ली, मुंबई, कोलकाता सहित आठ उड़ानें निरस्त रहीं। वहीं 20 फ्लाइटें देरी की शिकार हुईं, जिससे यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा।

दिल्ली से अमौसी एयरपोर्ट आने वाली 6ई-6614 व बंगलूरू से लखनऊ आने वाली 6ई-903 निरस्त कर दी गई। मुंबई से लखनऊ आने वाली 6ई-5088 व कोलकाता से लखनऊ आने वाली 856 निरस्त रही। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली 6ई-6615, लखनऊ से मुंबई जाने वाली 6ई-5201 एवं लखनऊ से कोलकाता जाने वाली 6ई-6469 उड़ान भी निरस्त रही।

देरी से आने वाली उड़ानों में हैदराबाद लखनऊ उड़ान संख्या 6ई-6167 पांच घंटे तथा लखनऊ से हैदराबाद जाने वाली 6ई-6166 चार घंटे लेट रही। 6ई-1416 अबुधाबी-लखनऊ ढाई घंटे, 6ई-1424 शारजाह-लखनऊ एक घंटे, 6ई-453 हैदराबाद-लखनऊ डेढ़ घंटे, 6ई-515 चेन्नई-लखनऊ 50 मिनट, आइएक्स-2973 बंगलूरू-

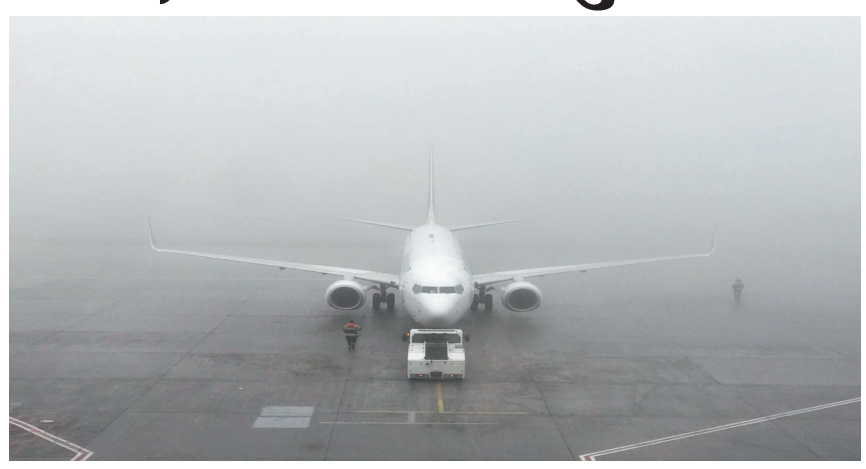

लखनऊ 55 मिनट, 6ई-935 अहमदाबाद लखनऊ एक घंटे, 6ई-7422 इंदौर-लखनऊ पौन घंटे, 6ई-98 दम्माम-लखनऊ सवा घंटा तथा 6ई-451 बंगलूरू लखनऊ 50 मिनट लेट रही।

इसके अतिरिक्त 6ई-758 लखनऊ-दिल्ली दो घंटे, 6ई-399 लखनऊ-गोवा 35 मिनट, 6ई-6222 लखनऊ-मुंबई एक घंटे, 6ई-2292 लखनऊ-दिल्ली 40 मिनट, 6ई-6968 लखनऊ-अहमदाबाद व 6ई-518 लखनऊ-चेन्नई एक-एक घंटे, 6ई-7027 लखनऊ-जयपुर 55 मिनट, 6ई-6354 लखनऊ-बंगलूरू 50 मिनट, 6ई-97 लखनऊ-दम्माम डेढ़ घंटे, एक्ससी-6489 लखनऊ-दिल्ली सवा घंटे तथा ओवी-706 लखनऊ-मस्कट पौने दो घंटे देरी की शिकार हुई।

सुविधाओं का अभाव है साहब... स्टाफ, न फर्नीचर कैसे कराएंगे परीक्षा

फिरोजाबाद, एजेंसी। नकलविहीन परीक्षा कराने की शासन की मंशा को जिले के राजकीय विद्यालयों से बड़ा झटका लगा है। शासन ने परीक्षा केंद्र बनाने के लिए पहले चरण में वित्तविहीन कॉलेजों को हटाकर राजकीय कॉलेजों को प्राथमिकता दी थी, लेकिन इन राजकीय विद्यालयों ने संसाधनों के अभाव का हवाला देते हुए परीक्षा केंद्र बनने से असमर्थता जताई है।

बुधवार को कुल पांच राजकीय कॉलेजों ने परीक्षा केंद्रों की सूची पर आधिकारिक रूप से आपत्ति जताते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय में अपनी शिकायत जमा कराई। प्रधानाचार्यों का तर्क है कि उनके विद्यालयों में निम्नलिखित सुविधाओं का घोर अभाव है जिसके चलते वे नकलविहीन परीक्षा कराने में सक्षम नहीं हैं। प्रधानाचार्यों ने कहा कि विद्यालयों में न तो पर्याप्त स्टाफ है और न ही पर्याप्त फर्नीचर, सीसीटीवी कैमरे, इन्वर्टर और अन्य जरूरी उपकरण नहीं है। राजकीय विद्यालयों की इस आपत्ति के बाद शासन की ओर से जारी पहली परीक्षा केंद्र सूची में बदलाव होना लगभग तय माना जा रहा है। राजकीय विद्यालयों की सुविधाओं की कमी का यह खुलासा शिक्षा व्यवस्था के बुनियादी ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

परीक्षा केंद्रों की नई सूची जारी होने के बाद से ही असंतुष्टता का माहौल है। पहले दिन मंगलवार को 32 आपत्तियां दर्ज हुई थीं। दूसरे दिन बुधवार को डीआईओएस कार्यालय में 42 आपत्तियां पहुंची जिसमें पांच राजकीय विद्यालयों की आपत्तियां शामिल हैं। कुल 74 आपत्तियां दो दिनों में दर्ज की जा चुकी हैं।

शासन द्वारा जारी संशोधित सूची में 27 वित्तविहीन विद्यालयों को हटा दिया गया है और उनके स्थान पर छह राजकीय, दो सहायता प्राप्त और सात नए वित्तविहीन विद्यालयों के नाम जोड़े गए हैं।

एनपीएस में छोटी बचत से बड़ी सुरक्षा, सबसे भरोसेमंद आर्थिक सुरक्षा का विकल्प

लखनऊ , एजेंसी। सरकारी और कॉर्पोरेट वर्ग के साथ अब किसानों को भी आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य देने की दिशा में कदम बढ़े हैं। इसी उद्देश्य से पेंशन फंड विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के संयुक्त सहयोग से बुधवार को 'बीज एनपीएस का, फसल पेंशन की' विषय पर विशेष वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ।

वित्तीय विशेषज्ञों ने कहा कि 60 वर्ष पार किसान भी अब आर्थिक चिंता से मुक्त रह सकते हैं, बस उन्हें नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) अपनाने की जरूरत है।

कृष्णानगर स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पीएफआरडीए के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) आशीष कुमार ने कहा कि एनपीएस केवल निवेश नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर वृद्धावस्था की दिशा में एक आंदोलन है। महज 500 रुपये के नियमित निवेश से लोग अपने बुढ़ापे को आर्थिक रूप से सुरक्षित बना सकते हैं।

एनपीएस कैलकुलेटर के जरिये अधिकारियों ने बताया कि एनपीएस औसतन निवेश के 10 गुना तक पेंशन कॉर्पस बनाने की क्षमता रखता है। खेती-किसानी से जुड़े लोग, जिनकी आय मौसम व बाजार पर निर्भर रहती है, उनके लिए यह योजना जीवनभर की स्थायी आय का मजबूत साधन साबित हो सकती है।

विशेषज्ञों ने दूरदराज से आए किसानों को समझाया कि छोटी-छोटी रकम के नियमित निवेश से वे वृद्धावस्था में हर महीने सम्मानजनक पेंशन प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान किसानों के सवाल भी लिए गए और उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। इस मौके पर नाबार्ड के डीजीएम सिद्धार्थ सरकार, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (एलडीएम) मनीष पाठक, बैंक ऑफ बड़ौदा की डीजीएम एवं एसएलबीसी संयोजक निधि कुमार, ओपन एग्री नेटवर्क 'समउन्नति' के अधिकारी निहिल चावला भी मौजूद रहे।

नाटक के मंचन पर मिलेंगे विद्यार्थियों को अंक

लखनऊ , एजेंसी। भारतेंदु नाट्य अकादमी के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को प्रोडक्शन विषय की परीक्षा में मंचन करके दिखाना होगा। इसके उन्हें अंक मिलेंगे। इन दिनों छात्र हेनरिक इब्सन के नाटक पिलर्स ऑफ सोसायटी के मंचन की तैयारी में जुटे हैं। इसके लिए बीएनए के प्रांगण में ही सेट लगाया है। अनुवाद और निर्देशन आसिफ अली का है। परीक्षक के सामने नाटक की प्रस्तुति 9 और 10 दिसंबर को कैंपस में ही होगी। प्रशिक्षक डॉ. सुमित श्रीवास्तव ने बताया कि प्रोडक्शन विषय में विद्यार्थियों को नाट्य प्रस्तुति देनी होती है और इसी आधार पर अंक भी दिए जाते हैं। तीसरे सेमेस्टर के 19 विद्यार्थी रिहर्सल कर रहे हैं। अन्य प्रदेश से आने वाले परीक्षक उनके अभिनय की बारीकियों के हिसाब से अंक देंगे।

हर बार मतदान पर सूची में नहीं नाम

नसीराबाद। नगर पंचायत नसीराबाद में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में अतिरिक्त समय मिलने के बाद लोगों ने सक्रियता दिखाई है। लेकिन वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के कारण मतदाता परेशान हैं। उनका कहना है कि हर बार चुनाव में मतदान किया, लेकिन सूची में नाम नहीं है। बीएलओ सूची दुरुस्त करने में जुटे हैं।

कस्बे के बूथ संख्या तीन के वहीद और अब्दुल हमीद का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, लेकिन अब तक उनके घर पर फार्म नहीं पहुंचा है। इसी तरह बूथ संख्या 117 पर 70 वर्षीय मोहम्मद मतीन और पराग का नाम मतदाता सूची से गायब है, जबकि दोनों सभी पिछले चुनावों में मतदान करते आ रहे हैं। अधिशासी अधिकारी राजभान शुक्ल ने बताया कि त्रुटियों को ठीक करते हुए कार्य जल्द पूरा करने के लिए कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं।

सरेनी में बुधवार को खंड विकास अधिकारी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि बीएलओ को प्रतिदिन 50 फॉर्म ग्रामीणों को वितरित कर भरवाने के निर्देश दिए गए हैं। मतदाता पुनरीक्षण विशेष अभियान के तहत ब्लॉक में गत दिनों एसडीएम डलमऊ सत्येंद्र सिंह ने बैठक की थी। इसके बाद बीएलओ व सुपरवाइजरों ने काम तेजी से करना शुरू कर दिया है। सरेनी में 165 बीएलओ व 16 सुपरवाइजर लगाए गए हैं। काम समाप्त होने वाला है।

घर में नहीं मिल रहे मतदाता

महराजगंज। मोन गांव की ग्राम पंचायत बखतखेर के बूथ संख्या 261 के बीएलओ रामकृपाल ने बताया कि एसआईआर फार्म भरने में मतदाता सहयोग नहीं कर रहे हैं। घर-घर फार्म पहुंचाने के बावजूद मतदाता फार्म भरकर वापस नहीं कर रहे हैं। कई मतदाता फोन भी नहीं उठा रहे हैं।

80 बीएलओ ने पूरा किया काम

सलोन में अभियान की प्रगति सबसे बेहतर है। उप जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश ने बताया कि 80 बीएलओ ने अपना शत-प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। अन्य बीएलओ को समय पर एसआईआर के कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बोझ से थम रहा न्याय का पहिया! अदालतों में 6 साल में दोगुने हुए मुकदमे

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते छह वर्षों में जिला अदालतों पर काम का दबाव अभूतपूर्व रूप से बढ़ गया है। न्यायिक प्रणाली में सुधार के प्रयासों के बावजूद अदालतों में दायर होने वाले मुकदमों की संख्या इतनी तेजी से बढ़ी है कि मौजूदा संसाधन पर्याप्त नहीं दिख रहे हैं। नेशनल ज्यूडिशियल डाटा ग्रिड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2018 में जहां 4.84 लाख

मुकदमे दायर हुए थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 10.2 लाख तक पहुंच गई। इस वर्ष आज के दिन तक 8.33 लाख मुकदमे दायर हो चुके हैं। वर्तमान में जिला अदालतों में लगभग 700 न्यायाधीश तैनात हैं, जबकि लंबित मामलों का बोझ लगातार बढ़ रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, राजधानी की सात जिला अदालतों में 15,78,702 लाख मुकदमे लंबित हैं। जिसमें से 13,61,168 लाख आपराधिक और 2,17,534 लाख दीवानी मुकदमे हैं। स्थिति यह है कि लंबित मामलों में 94 फीसदी ऐसे मुकदमे हैं, जो साल 2018 के बाद दायर हुए, जबकि साल 2017 से पहले के केवल छह फीसदी मुकदमे अब भी लंबित हैं। हैरानी की बात यह है कि आज भी वर्ष 1969 के दो मामले लंबित पड़े हैं। लंबी न्यायिक प्रक्रिया का सबसे अधिक असर लोगों पर पड़ रहा है। वर्षों तक अदालतों के चक्कर काटने से न सिर्फ मानसिक और आर्थिक दबाव बढ़ता है, बल्कि कई मामले समय बीतने के साथ कमजोर भी पड़ जाते हैं। अधिवक्ता मनीष भदौरिया ने बताया कि एनआई अधिनियम की धारा 138 के तहत कई मुकदमों में लोगों को अगली सुनवाई के लिए सात-आठ महीनों का इंतजार करना पड़ रहा है। इससे न सिर्फ अदालतों पर बोझ पड़ रहा है। वर्ष 2013 में पश्चिम विहार थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी की धाराओं में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। फॉरेंसिक रिपोर्ट में देरी की वजह से 12 वर्ष बाद भी मुकदमे में आरोप तय नहीं हो सके हैं।

देश के 6.34 लाख से ज्यादा गांव मोबाइल कनेक्टिविटी से जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डा. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क मार्च 2018 के 17.5 लाख किलोमीटर से बढ़कर सितंबर 2025 तक 42.36 लाख किलोमीटर हो गया है, जबकि बेस ट्रांसीवर स्टेशनों की संख्या मार्च 2018 के 17.3 लाख से बढ़कर अक्टूबर 2025 तक 31.4 लाख हो गई है। इससे पिछले कुछ वर्षों में देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अक्टूबर 2025 तक, भारत के 6,44,131 गांवों में से 6,34,019 गांव मोबाइल कनेक्टिविटी से जुड़े हैं, जिनमें से 6,30,676 में 4जी सेवाएं हैं। इसके साथ ही ब्राडबैंड सब्सक्रिप्शन सितंबर 2018 में 48 करोड़ से बढ़कर जून 2025 में 98 करोड़ हो गए हैं। इसके अतिरिक्त, 31 अक्टूबर, 2025 तक देश भर में 3.80 लाख पीएम-वाणी वाई-फाई हॉटस्पाट स्थापित किए जा चुके हैं। मंत्री ने कहा कि देश में डाटा की खपत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो सितंबर 2018 में प्रति ग्राहक प्रति माह 8.32 जीबी से बढ़कर सितंबर 2025 में 25.24 जीबी प्रति ग्राहक प्रति माह हो गई है, जबकि इसी अवधि के दौरान औसत वायरलेस डेटा शुल्क 10.91 रुपये प्रति जीबी से घटकर 8.27 रुपये हो गया है। पंचायतें केंद्र की भारतनेट परियोजना के तहत हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयार हो गई हैं।

दिल्ली के लिए कैंसर के आंकड़े डराने वाले हैं

2024 में भारत में 15.33 लाख से अधिक नए कैंसर के मामले दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। कैंसर, एक ऐसा शब्द या कहें एक ऐसी बीमारी जिसका नाम सुनते ही लोगों में दहशत फैल जाती है। न जाने कितने घर, कितने ही परिवार इस जानलेवा बीमारी के आगे नतमस्तक हो गए, सारी पूंजी लग गई,कभी जान बच गई तो कभी तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। भारत में कैंसर के मामले वाकई डराने वाले हैं। देश की राजधानी दिल्ली की ही बात करें तो यह बहुत ज्यादा है। साल 2024 में भारत में 15.33 लाख से अधिक नए कैंसर के मामले दर्ज किए गए। दिल्ली में अकेले 28,387 मामले सामने आए हैं।

राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार 2024 में 15 लाथ कैंसर मरीजों का ये आंकड़ा 2023 के 14.96 लाख और 2022 के 14.61 लाख मामलों से ज्यादा है। राजधानी दिल्ली में अकेले 2024 में 28,387 मामले सामने आए। यह आंकड़ा 2023 के 27,561 और 2022 के 26,735 मामलों से अधिक है। यह दिखाता है कि स्क्रीनिंग और इलाज की सुविधाओं के विस्तार के बावजूद, दिल्ली की कैंसर चिकित्सा सेवाओं (ऑन्कोलॉजी) पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

ढ्ढष्टस्क्र नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के नए अनुमानों के मुताबिक, 2024 में उत्तर प्रदेश 2.21 लाख मामलों के साथ देश में

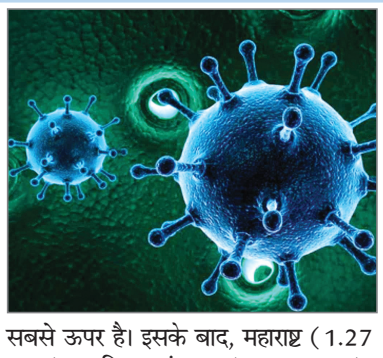

सबसे ऊपर है। इसके बाद, महाराष्ट्र (1.27 लाख), पश्चिम बंगाल (1.18 लाख), बिहार (1.15 लाख) और तमिलनाडु (98,386) का स्थान है। भले ही दिल्ली में मामलों की कुल संख्या बाकी राज्यों से कम हो, लेकिन जनसंख्या घनत्व के हिसाब से देखें तो दिल्ली के मामले अब भी सबसे अधिक मामलों में से हैं।

कैंसर विशेषज्ञ (ऑन्कोलॉजिस्ट) चेतावनी देते हैं कि जीवनशैली से जुड़े कारक, प्रदूषण और देर से पता लगने के कारण शहर में कैंसर के मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि भारत में जोखिम भरे माहौल में एक गहरे बदलाव को दर्शाती है। इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी के डॉ. अंकित जैन ने कहा कि अब अधिक मरीज कम उम्र में और बीमारी की पिछली अवस्थाओं में आ रहे हैं, जो इस बात पर ज़ोर देता है कि जोखिम का माहौल कितनी तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में, ज़हरीली हवा, तनाव, खराब खान-पान और कम स्क्रीनिंग (जांच) कैंसर को चुपचाप बढ़ने के लिए एक सही माहौल बना रहे हैं। वहीं, इलाज के लिए आने में देरी होने से कैंसर चिकित्सा सेवाओं पर लगातार दबाव बना हुआ है।

जीवनशैली से जुड़े जोखिमों पर आगे विस्तार करते हुए, फोर्टिस मानेसर की मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. पूजा बब्बर ने कहा कि लंबे समय तक काम करना, कम शारीरिक गतिविधि, प्रसंस्कृत भोजन पर बढ़ती निर्भरता और तंबाकू और शराब का बढ़ता उपयोग कैंसर के जोखिम को तेजी से बढ़ा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली की खराब हवा की गुणवत्ता विशेष रूप से फेफड़ों के कैंसर के लिए जोखिम को और बढ़ा देती है। डॉ. बब्बर ने बताया कि कई कैंसर का पता अभी भी देर से चलता है क्योंकि लोग शुरुआती लक्षणों को अनदेखा कर देते हैं या डॉक्टर से सलाह लेने में देरी करते हैं। उन्होंने कहा, छोटे नियमित जीवनशैली में बदलाव और समय पर स्क्रीनिंग (जांच) बहुत बड़ा अंतर ला सकते हैं।

औपचारिक तौर पर हरी झंडी मांगी

दिल्ली में 400 किमी सड़कों का अब दिन में भी होगा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मार्च 2026 तक 400 किलोमीटर सड़कें फिर से बनाने की योजना है। पहले से ही ट्रैफिक समस्या से जूझ रही दिल्ली में अब दिन में भी कंस्ट्रक्शन का काम शुरू हो सकता है। इसके लिए दिल्ली सरकार ने ट्रैफिक पुलिस से औपचारिक तौर पर हरी झंडी मांगी है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस से हरी झंडी मिलने के बाद दिल्ली की सड़कों पर दिन में भी काम शुरू हो जाएगा और ज्यादा बैरिकेड्स के कारण लोगों को सड़कों पर काफी समस्या का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, सड़कों को बनाने में तापमान एक बड़ी समस्या बनकर सामने आ रहा है। पीडब्ल्यूडी के अनुसार, नई सड़क बनाने के लिए सतह का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होना चाहिए। दिल्ली में रात के समय 15 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान फरवरी तक नहीं रहेगा। ऐसे में रात में सड़क निर्माण संभव नहीं हो पाएगा। इसलिए अब दिल्ली सरकार ने दिन में सड़कों का काम शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस से मंजूरी मांगी गई है। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने कहा कि दिन में काम शुरू करना जरूरी है, क्योंकि काम में देरी करने से पूरा प्रोजेक्ट पटरी से उतर जाएगा।

दिल्ली सरकार ने 400 किलोमीटर सड़कों का काम शुरू कर दिया है। यह दर्जनों कॉरिडोर में फैला हुआ है। इसमें से 300 किलोमीटर सड़कें सेंट्रल रोड फंड और 100 किलोमीटर स्टेट रोड फंड के तहत बनाया जा रहा है। इसमें बेहतर ड्रेनेज सिस्टम, सुरक्षित और लगातार चलने वाले फुटपाथ, नए डिज़ाइन वाले जंक्शन, इंटीग्रेटेड मोबिलिटी सुधार किया जाएगा।

'पवन' से निगरानी, प्रदूषण रोकने के लिए बनाया गया खास प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की रोकथाम और निगरानी के व्यवस्था को पहले से बेहतर बनाने की कवायद शुरू हो गई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने इसके लिए प्रदूषण के खिलाफ काम कर रहीं सभी एजेंसियों को एक डिजिटल प्लेटफार्म पर लाने की तैयारी में है। इसके लिए 'पवन' नाम का एक डिजिटल प्लेटफार्म भी तैयार किया जा रहा है। इस पूरी कवायद का मकसद प्रदूषण से जंग में जुटी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाना है। माना जा रहा है कि अगली सर्दियों से पहले ही यह प्लेटफार्म काम करना शुरू कर देगा।

प्रदूषण पर सीएम रेखा गुप्ता सख्त

लापरवाही पर चालान के साथ होगी FIR की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें उन्होंने प्रदूषण को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह प्रदूषण फैलाने वालों पर चालान के साथ एफआईआर की कार्रवाई करें।

केवल निजी नहीं बल्कि सरकारी संस्थानों द्वारा लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने पीडब्ल्यूडी को भी 1400 किलोमीटर लंबी उनकी सड़कों को 72 घंटे के भीतर गड्ढे मुक्त बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के प्रदूषण नियंत्रण को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदूषण और सफाई में कोताही बरतने वाले सरकारी संस्थानों का चालान काटकर भारी जुर्माना वसूला जाए। इसके साथ ही बिना अनुमति रोड काटने और उसे न भरने वाले सरकारी संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि 311 ग्रीन ऐप को एक नोडल प्लेटफॉर्म के रूप में और अधिक सशक्त किया जा रहा है। ग्रीन वॉर रूम के माध्यम से गड्ढों, ब्राउन एरिया और

डस्ट हॉटस्पॉट्स की मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं बीएस- से नीचे के वाहनों पर कार्रवाई होगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभाग प्रदूषण को लेकर जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरत रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की कोताही के लिए विभाग के प्रमुख को जिम्मेदार माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी को आदेश दिया है कि अपने अधीन आने वाली 1400 किलोमीटर सड़कों के सभी गड्ढों की पहचान कर उन्हें रिकॉर्ड समय में ठीक करें। डीडीए को आदेश जारी किए कि वह अपनी सड़कों पर सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखे और अपनी खाली पड़ी जमीनों से कूड़े को तुरंत हटाए। मेट्रो को कहा कि वह अपनी एलिवेटिड लाइनों के नीचे की सड़कों को तुरंत प्रभाव से ठीक करें और धूल नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर एक एक्सपर्ट व उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया है।

विचाराधीन कैदी को 55 तारीखों पर अदालत में पेश नहीं किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र पुलिस द्वारा एक विचाराधीन कैदी को 85 तारीखों में से 55 तारीखों पर निचली अदालत में पेश नहीं किए जाने पर नाराजगी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के कारागार महानिदेशक को जांच का आदेश दिया है और इसकी रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्ला और प्रशांत कुमार मिश्र की पीठ ने हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपित शशि उर्फ शाही चिकना विवेकानंद जुरमानी को जमानत दे दी, लेकिन इस तथ्य पर गंभीरता से विचार किया कि मुकदमा चलने के बावजूद उसे अदालत द्वारा दी गई 85 तारीखों में से 55 तारीखों पर अदालत में पेश नहीं किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुईं वकील सना रईस खान ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर पीड़ित को चाकू से गोदने का आरोप है, जैसा कि गवाह द्वारा दर्ज कराई गई एफआइआर में बताया गया है।

जिहादी कोर्स में 5 हजार महिलाओं की भर्ती, सुसाइड मिशन की ट्रेनिंग

इस्लामाबाद एजेंसी। बीते मई महीने में भारत के ऑपरेशन सिंदूर में अपना सबकुछ गंवाने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना ने हाल ही में जैश की महिला विंग को लेकर कई राज उगले हैं। मसूद अजहर ने दावा किया है कि इस महिला विंग में अब तक 5,000 महिलाओं की भर्ती हो चुकी है। मसूद अजहर के मुताबिक इन महिलाओं को कथित तौर पर सुसाइड मिशन के लिए ट्रेनिंग दी जा रहा है। इससे पहले आतंकी मसूद अजहर ने अक्टूबर में जैश की महिला ब्रिगेड, जमात-उल-मोमिनात तैयार करने की घोषणा की थी। जानकारी के मुताबिक इसकी जिम्मेदारी मसूद अजहर की बहन सईदा संभाल रही है। मसूद अजहर ने हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया है कि जमात-उल-मोमिनात का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। मसूद अजहर ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में 5,000 से अधिक महिलाएं इस समूह में शामिल हो चुकी हैं। अजहर ने कहा है कि भर्ती और ट्रेनिंग

को सुविधाजनक बनाने के लिए पाक अधिकृत कश्मीर के कई जिलों में समूह का विस्तार किया जा रहा है। मसूद अजहर के मुताबिक हर जिले में एक महिला प्रमुख, जिसे मुंतजिमा कहा जाएगा के नेतृत्व में एक दफ्तर बनाया जाएगा, जो विंग की गतिविधियों पर नजर रखेगी। इससे पहले जैश-ए-मोहम्मद ने महिलाओं की भर्ती के लिए एक ऑनलाइन जिहादी कोर्स भी शुरू किया था जिसका नाम तुफात अल-मुमिनात रखा गया है। जैश ने इस कोर्स के हर महिला के लिए 500 रुपये की फीस भी निर्धारित की है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में चरमपंथी गुट महिलाओं का अकेले बाहर जाना ठीक नहीं माना जाता है इसलिए जैश अब महिलाओं की भर्ती के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा है।

पाकिस्तान बेचेगा सरकारी एयरलाइंस

इज्जत नीलामी' में बोली लगाएगी आसिम मुनीर की फौजी कंपनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। कर्ज के बोझ और आईएमएफ की सख्त शर्तों से जकड़ा कंगाल पाकिस्तान अब अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को बेचने जा रहा है। प्री-क्वालिफाइड चार बोलियों में फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड भी शामिल है, जो पाकिस्तानी सेना के नियंत्रित फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से जारी बयान में कहा गया है कि पीआईए की बोली 23 दिसंबर 2025 को होगी और इसका सभी मीडिया चैनलों पर लाइव प्रसारण किया जाएगा।

डॉन अखबार के मुताबिक, पीआईए में 51 से 100 प्रतिशत तक हिस्सेदारी का विनिवेश आईएमएफ के 7 अरब डॉलर के नए बेलआउट पैकेज की प्रमुख शर्तों में से एक है। जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, निजीकरण मंत्री मुहम्मद अली ने पिछले महीने रॉयटर्स को बताया था कि इस साल निजीकरण से 86 अरब रुपये की कमाई का लक्ष्य रखा गया है। पीआईए की अंतिम बोली में कुल आय का सिर्फ 15 प्रतिशत हिस्सा सरकार को मिलेगा, बाकी खरीदार कंपनी के पास रहेगा। डॉन के अनुसार, पीआईए का विनिवेश पिछले दो दशकों में पाकिस्तान का पहला बड़ा निजीकरण कदम होगा। बिक्री के लिए चार बोलियों को प्री-क्वालिफाइड किया गया है...लकी सीमेंट कंसोर्टियम, आरिफ हबीब कॉर्पोरेशन कंसोर्टियम, फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, एयर ब्लू बता दें कि फौजी फर्टिलाइजर, फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है, जो आज पाकिस्तान का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट साम्राज्य बन चुका है। उस देश में जहां सेना का हर क्षेत्र में दखल है, मौजूदा सबसे ताकतवर शख्सियत आर्मी चीफ जनरल असिम मुनीर फौजी फाउंडेशन के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, लेकिन वे क्वार्टरमास्टर जनरल की नियुक्ति करते हैं, जो फाउंडेशन के बोर्ड का अहम सदस्य होता है। इस तरह जनरल मुनीर संस्थागत नियंत्रण के जरिए फौजी फाउंडेशन पर अप्रत्यक्ष मगर पूरा प्रभाव रखते हैं।

विश्वास मत से पहले छोड़नी पड़ी कुर्सी

पद संभालने के 22 दिन बाद ही मधेश प्रदेश के सीएम सरोज का इस्तीफा

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश में जारी सत्ता संकट एक नए मोड़ पर पहुंच गया। पद संभालने के 22 दिन बाद ही मुख्यमंत्री सरोज कुमार यादव को इस्तीफा देना पड़ा। विश्वास मत हासिल करने के लिए उनके पास संख्या बल कम पड़ गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सरोज यादव को प्रदेश सभा का विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दिया था। विश्वास मत हासिल होने की संभावना बेहद कम दिखने के बाद यादव ने प्रदेश सभा की बैठक में ही अपना इस्तीफा पेश कर दिया। विपक्षी दलों की अनुपस्थिति ने शक्ति परीक्षण को असंभव बना दिया था। बैठक में केवल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के विधायक मौजूद थे। सरकार में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की मंत्री कंचन बिच्छा व नेपाल संघीय समाजवादी पार्टी की मंत्री बिमला अंसारी भी उपस्थित थे। अपने इस्तीफे से पहले सरोज यादव ने आरोप लगाया कि उनकी नियुक्ति बाध्य स्थिति में की गई थी, इसलिए विश्वास मत का सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा, सरकार में रहते हमने जनता का काम किया। मेरी प्रतिबद्धता कुर्सी से नहीं विधानसभा के सदस्यों से है। लेकिन वे स्वयं ही सदन छोड़कर बाहर चले गए।

विवाद के बाद हटाए गए थे प्रदेश प्रभारी: सरोज यादव को पूर्व प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी ने संविधान के अनुच्छेद 168 (3) के तहत सबसे बड़े दल के नेता के रूप में मुख्यमंत्री नियुक्त किया था। बर्दिबास के होटल पानस कॉटेज में तड़के हुई यह नियुक्ति शुरू से विवादों में रही। विवाद के चलते संघीय सरकार ने प्रदेश प्रमुख भंडारी को पदमुक्त कर जनकपुर के सुरेंद्र लाभ कर्ण को नया प्रदेश प्रमुख नियुक्त करने की सिफारिश की थी।

पुतिन खत्म करना चाहते हैं यूक्रेन के साथ युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के यूक्रेन शांति प्रस्ताव पर रूस के राष्ट्रपति के साथ एक अच्छी बातचीत हुई है। ट्रंप ने दावा किया कि डेलीगेशन से बातचीत के दौरान पाया गया कि व्लादिमीर पुतिन भी युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं।

दरअसल, बुधवार को अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ पांच घंटे लंबी बातचीत की। ध्यान देने वाली बात है कि दोनों दिग्गजों की बातचीत साल 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन विवाद को खत्म करने पर केंद्रित थी। पुतिन भी समाप्त करना चाहते हैं युद्ध अमेरिकी

राष्ट्रपति ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पुतिन की कल जेरेड कुशनर और स्टीव व्हिटकॉफ के साथ बहुत अच्छी मीटिंग हुई। उस मीटिंग से क्या निकला, मैं आपको नहीं बता सकता क्योंकि टैंगो के लिए दो लोगों की ज़रूरत होती है। उन्होंने आगे कहा वह (पुतिन) युद्ध खत्म करना चाहेंगे, ऐसा उनका मानना था।

वहीं, केमलिन के सीनियर सलाहकार यूपी उशाकोव ने बुधवार को कहा कि यह मीटिंग लड़ाई शुरू होने के बाद से वाशिंगटन और मॉस्को के बीच सबसे बड़ी बातचीत में एक थी।

वहीं, इलाके के मुद्दों पर कोई समझौता नहीं हुआ है। ट्रंप ने कहा कि इस प्रतिनिधिमंडल ने समझौते के संभावित रास्तों पर विचार किया, लेकिन मुख्य विवाद अभी भी अनसुलझे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि वह यूक्रेन के मसले को हल करने के करीब हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी काफी काम किया जाना है।

संपादकीय

'संचार साथी' की जबरन एंट्री...!

इसमें कोई दोराय नहीं कि तेजी से डिजिटल होती दुनिया में साइबर फर्जीवाड़ा तथा इससे जुड़े अन्य अपराधों ने एक जटिल शक्ल अख्तियार कर ली है और उससे निपटने के लिए ठोस उपाय जरूरी हैं। मगर सवाल है कि अपराध या जोखिम से बचाव के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी औजार को क्या एक नए तरह की असुरक्षा का वाहक बनने की इजाजत दी जा सकती है!

केंद्रीय संचार मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक आदेश के तहत यह कहा गया था कि सभी स्मार्टफोन कंपनियां नब्बे दिनों के भीतर अपने स्मार्टफोन में सरकार द्वारा तैयार किए गए साइबर सुरक्षा एप 'संचार साथी' को पहले से ही इस तरह इंस्टाल करें कि उसे डिलीट और प्रतिबंधित या अक्षम नहीं किया जा सके। सरकार के मुताबिक, यह एप मोबाइल उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रपट लिखवाने के साथ-साथ चोरी हुए मोबाइल की जानकारी देने में मदद करता है। प्रथम दृष्टया सरकार की यह पहल तेजी से फैल रहे डिजिटल फर्जीवाड़े और इससे जुड़ी अन्य गड़बड़ियों से बचाना दिखता है, मगर किसी भी स्मार्टफोन की बाकी सुविधाओं तक इस एप की पहुंच और इसके काम करने के तरीके के संबंध में जैसे तथ्य सामने आए हैं, उसे लेकर स्वाभाविक ही इसका तीखा विरोध शुरू हो गया है।

यों संचार साथी एप पहले से ही इंटरनेट पर 'सर्च इंजन' पर मौजूद है, लेकिन अब तक इसे उपयोगकर्ता स्वैच्छिक तौर पर ही अपने स्मार्टफोन में डाउनलोड करते रहे हैं। ताजा आदेश में जिस तरह इसकी अनिवार्यता को लागू

करने की बात कही गई, उसके बाद सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे हैं। विपक्षी दलों की ओर से यह आशंका जताई गई है कि सरकार इसके जरिए व्यक्ति की निजता के अधिकार को खत्म कर उसकी हर गतिविधि की जासूसी करना चाहती है या उसकी निगरानी करना चाहती है। किसी स्मार्टफोन में इंस्टाल होने के बाद संदेशों से लेकर अन्य जरूरी सुविधाओं तक पहुंच होने की वजह से संचार साथी के बेजा इस्तेमाल को लेकर भी अनेक आशंकाएं सामने आने लगी हैं। अगर वे सही उतरीं, तो इसकी क्या गारंटी है कि इस एप के जरिए न केवल लोगों की निजता के अधिकार को ताक पर रखा जाएगा, बल्कि उनके फोन में छेड़छाड़ भी की जाएगी!

हालांकि इस फैसले पर चौतरफा सवाल उठने पर सरकार की ओर से सफाई आई कि लोग इसे चाहें तो न रखें या अगर फोन में है तो उसे डिलीट कर दें। यह वैकल्पिक है। अगर वास्तव में ऐसा ही है तो संचार साथी एप को क्यों नहीं 'सर्च इंजन' के तहत ही रहने दिया जाता है, ताकि जिन्हें जरूरी लगे, वे स्वैच्छिक रूप से डाउनलोड कर लें। फिर अगर डिजिटल फर्जीवाड़े या अन्य साइबर अपराधों से लोगों की सुरक्षा के लिए ऐसे आदेश जारी किए जाते हैं, तो इसके बजाय तकनीक तथा उसके उपयोग को लेकर देश भर में व्यापक प्रशिक्षण और जागरूकता का अभियान क्यों नहीं चलाया जाता? अपराधियों को पकड़ने में भी आधुनिक तकनीक आज कारगर भूमिका निभा रही है। एक समस्या स्मार्टफोन कंपनियों के सरकार के फरमान पर राजी होने को लेकर भी आ सकती है।

शांत शहर की सड़कों पर गोलियों की गूंज...

चंडीगढ़ देश का एक नियोजित शहर है, यहां की सड़कों से लेकर आवासीय क्षेत्रों को व्यवस्थागत तरीके से विकसित किया गया है। रहने की लिहाज से यह शहर आज भी लोगों की प्राथमिकता सूची में दर्ज है। इसकी सूरत तो आज भी आकर्षक बनी हुई है, लेकिन सीरत पिछले कुछ वर्षों से बदल रही है। जिस शहर को कभी शांतप्रिय माना जाता था, अब वहां अराजकता के पांव पालने से बाहर आने लगे हैं। गिरोहबाज बेखौफ होकर सड़कों पर अपराध को अंजाम देने लगे हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर-26 में सोमवार की रात एक व्यक्ति की सरेआम गोली मार कर हत्या कर देने की वारदात से शहर की कानून व्यवस्था पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस का कहना है कि यह घटना गिरोहबाजों की आपसी रंजिश का परिणाम हो सकती है, क्योंकि मृतक व्यक्ति कभी गिरोहबाज लारेंस बिश्नोई का करीबी हुआ करता था और अब वह किसी दूसरे गिरोह के लिए काम कर रहा था। गौरतलब है कि गिरोहबाज लारेंस बिश्नोई पिछले काफी समय से जेल में बंद हैं और अब उसके भाई अनमोल बिश्नोई को भी सुरक्षा एजंसियों ने अमेरिका से प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार कर लिया है। ऐसी खबरें भी आई हैं कि लारेंस जेल से ही अपने गिरोह को संचालित कर रहा है। अगर ऐसा है तो यह भी संभव है कि इसमें कई स्तरों पर लापरवाही बरती जा रही हो या फिर सुरक्षा एजंसी के कर्मियों की मिलीभगत हो। चंडीगढ़ में जो वारदात हुई है, उसने भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवालिया निशान लगा दिया है। अपराधियों ने सड़क पर खुलेआम गोलियां चलाकर इस वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। आखिर क्या वजह है कि चंडीगढ़ जैसे शहर में भी अपराधी इस तरह सड़कों पर बेखौफ घूम रहे हैं? पुलिस के मुताबिक, मृतक सेक्टर-33 में ही रहता था और उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सवाल है कि अगर वह वांछित अपराधी था और शहर में ही रह रहा था, तो पुलिस अब तक उसे अपनी गिरफ्त में क्यों नहीं ले पाई? जाहिर है कि स्थानीय पुलिस तंत्र में ही खामियां हैं और जब तक इन्हें दुरुस्त नहीं किया जाएगा, तब तक शहर की कानून व्यवस्था भी पंगु बनी रहेगी।

आज का कार्टून

एआई ने बढ़ाई चिंता, बढ़ रहे हैं साइबर फ्रॉड के मामले

राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि हर मिनट कोई न कोई भारतीय साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो रहा है, जिससे भारी वित्तीय नुकसान के साथ ही पीड़ितों को गहरा मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक आघात भी लगता है। अपनी मेहनत की कमाई अचानक खो देने का सदमा पीड़ितों को तनाव, अवसाद और सामाजिक अलगाव का शिकार बना देता है। शर्म और बदनामी के डर से कई लोग शिकायत दर्ज कराने से भी बचते हैं, जिससे अपराधियों को और बल मिलता है। इस गंभीर स्थिति का सामना करने के लिए सरकार ने कुछ बड़े कदम उठाए हैं। इनमें राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 और साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल शामिल हैं। भविष्य में यह चुनौती और भी बड़ी होने वाली है। कृत्रिम मेधा और 'डीपफेक' तकनीक अब अपराधियों के हाथ लग रही है। एआइ किसी की आवाज या वीडियो चेहरे की हूबहू नकल तैयार कर सकता है।

रंजना मिश्रा

भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसका प्रमाण हमें हर दिन अपने आसपास देखने को मिलता है। एक समय था जब बैंक के छोटे-से काम के लिए भी लंबी कतार में खड़ा होना पड़ता था, लेकिन आज यूपीआइ की सफलता ने लेन-देन को इतना सरल और त्वरित बना दिया है कि सड़क किनारे बैठा ठेले वाला भी 'क्यूआर कोड' से भुगतान स्वीकार कर लेता है। सरकारी सेवाओं के आनलाइन वितरण और आधार-आधारित सेवाओं ने देश के हर नागरिक के जीवन को सशक्त और सरल बनाया है। यह क्रांति हमें डिजिटल रूप से सशक्त कर रही है, लेकिन इसी डिजिटल सशक्तीकरण के साथ-साथ एक स्याह पक्ष भी सामने आया है।

यह है साइबर अपराध। दरअसल, आज यह सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि बेलगाम खतरा बन चुका है। यह हमारी मेहनत की कमाई, हमारे व्यक्तिगत डेटा और सबसे बढ़ कर, डिजिटल व्यवस्था में हमारे विश्वास की चोरी कर रहा है। आज अपराधी भौतिक दूरी की परवाह नहीं करता। वह हजारों किलोमीटर दूर बैठ कर, बिना किसी संपर्क के, लोगों के बैंक ब्योरे तक पहुंच बना लेता है। यह एक ऐसी अदृश्य लड़ाई है जहां अपराधी हमेशा तकनीक में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

वर्तमान में, साइबर अपराध के तौर-तरीकों में एक अहम बदलाव आया है। अपराधी अब अपना समय जटिल साफ्टवेयर या 'फायरवाल' में घुसने में नहीं लगाते। उन्होंने सीख लिया है कि सबसे कमजोर कड़ी हमेशा 'इंसान' होता है। अपराधी मनोविज्ञान का इस्तेमाल करते हैं। वे जानते हैं कि मनुष्य तीन प्राथमिक भावनाओं पर तुरंत प्रतिक्रिया करता है- डर, लालच, और तुरंत कार्रवाई। वे इन्हीं भावनाओं को निशाना बना कर लोगों को भ्रमित करते हैं, जिससे पीड़ित खुद अपनी गोपनीय जानकारी या पैसा उनके हवाले कर देता है। यह एक ऐसा तरीका है, जहां अपराधी 'मनुष्य की कमजोरी' पर ध्यान देता है।

हालिया रुझानों में, जिस रणनीति ने सबसे ज्यादा दहशत पैदा की है, वह है 'डिजिटल अरेस्ट'। यह साइबर अपराधियों का नया और मनोवैज्ञानिक हथियार है। इसमें अपराधी स्वयं को केंद्रीय जांच ब्यूरो, नारकोटिक्स ब्यूरो या यहां तक कि स्थानीय पुलिस के उच्चाधिकारी के रूप में प्रस्तुत करते हैं। वे पीड़ित को वीडियो काल करते हैं, जिसमें उनकी पृष्ठभूमि में अक्सर थाने या सरकारी कार्यालय जैसा दृश्य दिखाई देता है और वे वर्दी या आधिकारिक पोशाक में होते हैं। वे पीड़ित को दिखाते हैं कि उनका आधार कार्ड या बैंक खाता किसी गंभीर अपराध में फंसा हुआ है, जैसे धन शोधन, हवाला या नशीली दवाओं की तस्करी मामले में।

धमकी का यह नाटक इतना वास्तविक होता है कि अच्छे-खासे शिक्षित और समझ रखने वाले लोग भी घबरा जाते हैं। अपराधी पीड़ित को यह विश्वास दिलाते हैं कि अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए उन्हें अपनी सारी जमा पूंजी एक 'सुरक्षित सरकारी खाते' में 'जांच के लिए' भेजनी होगी। वे भरोसा दिलाते हैं कि जांच पूरी होते ही पैसा वापस मिल जाएगा। अपराधी यह सुनिश्चित करते हैं कि पीड़ित को सोचने या किसी से सलाह लेने का समय न मिले। वे लगातार वीडियो काल कर उस पर

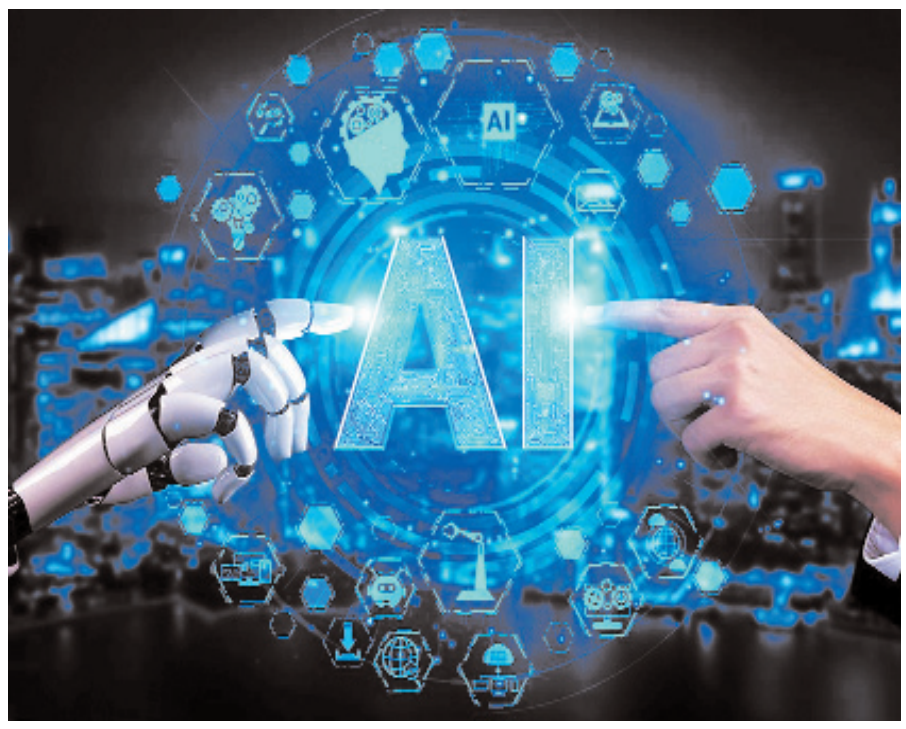

दबाव बनाए रखते हैं। इसी तीव्र दबाव और जेल जाने के डर से, लोग जीवन भर की बचत पलक झपकते ही गंवा देते हैं। साफ है कि अपराधियों ने डर का इस्तेमाल हथियार के रूप में करना सीख लिया है।

दूसरी ओर, लालच का इस्तेमाल कर की जाने वाली धोखाधड़ी भी तेजी से बढ़ रही है। 'आकर्षक रिटर्न' का लालच देकर फर्जी ट्रेडिंग मंच और क्रिप्टोकरंसी में निवेश कराया जाता है। अक्सर लोगों को सोशल मीडिया या टेलीग्राम पर ऐसे संदेश मिलते हैं जिनमें 'घर बैठे काम' या 'थोड़े समय में पैसा दोगुना' करने का वादा किया जाता है। अपराधी छोटे निवेश पर शुरुआत में कुछ मुनाफा देकर पीड़ितों का भरोसा जीतते हैं। जब पीड़ित बड़ा निवेश करता है, तो अपराधी मंच बंद करके या मुनाफा निकालने की प्रक्रिया को जटिल बना कर गायब हो जाते हैं। इसके अलावा, तत्काल कर्ज देने वाले फर्जी ऐप भी तेजी से फैले हैं, जो कम कागजी कार्रवाई के नाम पर लोगों के फोन का पूरा डेटा चुरा लेते हैं और फिर भयादोहन कर उनसे वसूली करते हैं।

इसके अलावा, दैनिक जीवन से जुड़ी छोटी-छोटी, लेकिन व्यापक धोखाधड़ी भी आम हो गई है। 'केवाईसी अपडेट करें' या 'आपका बिजली बिल बकाया है, रात दस बजे बिजली काट दी जाएगी' जैसे संदेश भेज कर लिंक पर क्लिक कराया जाता है। ऐसा करते ही या तो व्यक्तिगत डेटा चुरा लिया जाता है या पीड़ित से ओटीपी मांग कर उसके खाते से पैसे निकाल लिए जाते हैं। क्यूआर कोड स्कैन करवा कर पैसे निकालने की धोखाधड़ी भी आम हो गई है, जहां अपराधी पैसा भेजने के बजाय राशि प्राप्त करने का कोड भेजते हैं और अनभिज्ञ लोग पिन डाल कर पैसा गंवा देते हैं।

इन अपराधों की प्रकृति ऐसी है कि यह किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। गांव का किसान जो पहली बार डिजिटल बैंकिंग का उपयोग कर रहा है और शहर नागरिक, दोनों ही अब जोखिम में हैं। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि हर मिनट कोई न कोई भारतीय साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो रहा है, जिससे भारी वित्तीय नुकसान के साथ ही पीड़ितों को गहरा मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक आघात भी लगता है। अपनी मेहनत की कमाई अचानक खो देने का सदमा पीड़ितों को तनाव, अवसाद और सामाजिक अलगाव का शिकार बना देता है। शर्म और बदनामी के डर से कई लोग शिकायत दर्ज कराने से भी बचते हैं, जिससे अपराधियों को और बल मिलता है।

इस गंभीर स्थिति का सामना करने के लिए सरकार ने कुछ बड़े कदम उठाए हैं। इनमें राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 और साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल शामिल हैं। भविष्य में यह चुनौती और भी बड़ी होने वाली है। कृत्रिम मेधा और 'डीपफेक' तकनीक अब अपराधियों के हाथ लग रही है। एआइ किसी की आवाज या वीडियो चेहरे की हूबहू नकल तैयार कर सकता है। ऐसे में जब ठगी करने वाला व्यक्ति किसी व्यक्ति के रिश्तेदार की आवाज और चेहरे का उपयोग कर भावनात्मक मदद मांगेगा, तो सामान्य व्यक्ति के लिए सत्य और झूठ में अंतर कर पाना लगभग असंभव हो जाएगा। डीपफेक तकनीक न केवल वित्तीय धोखाधड़ी बढ़ाएगी, बल्कि यह समाज में गहरा अविश्वास और अराजकता भी पैदा कर सकती है।

साइबर सुरक्षा का मूल मंत्र सरल है- 'रुको, सोचो और पुष्टि करो।' किसी भी लिंक पर क्लिक करने या पैसा भेजने से पहले रुकें, उस संदेश के पीछे के तर्क पर सोचें और संबंधित आधिकारिक स्रोत से फोन कर पुष्टि करें। परिवार के बुजुर्ग सदस्यों को इन खतरों के बारे में शिक्षित करना और उन्हें 1930 जैसे हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी देना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। डिजिटल इंडिया तभी सुरक्षित होगा, जब हर नागरिक साइबर सुरक्षा के प्रति सजग, जिम्मेदार और शिक्षित होगा। हमें तकनीक का इस्तेमाल करना है, न कि तकनीक से डरना है। यह तभी संभव है जब हम सुरक्षित और समझदारी से डिजिटल लेन-देन करें।

क्या आपका मन भी लगातार बेचैन रहता है?

इन दिनों हमारे विचारों की दुनिया में अजीब-सी अराजकता फैली हुई है। मानो हम बिना किसी लक्ष्य दिशाहीन होकर भटक रहे हों और बेवजह की बातों के जंगल में कहीं खो गए हों। हमें समझना होगा कि हमारे विचारों का मकसद हमें एक अच्छा, सलीकेदार, सभ्य, सुसंस्कृत, सफल, समृद्ध और सम्मानित इंसान बनना होना चाहिए। एक समझदार इंसान अपने विचारों को हमेशा किसी सही उद्देश्य और अपनी सुरुचि के अनुसार इस्तेमाल करता है।

शिखर चंद जैन

हमारे मन में हर पल कई प्रकार के विचार आते हैं। समझ से काम न लें, तो हम उनमें उलझ कर रह जाते हैं। नकारात्मक और निरर्थक विचारों की उलझन में हम जीवन के अर्थ खो देते हैं। आकर्षण का नियम कहता है कि समान चीजें एक दूसरे को आकर्षित करती हैं। जैसा हम सोचते हैं, वैसे ही और नए विचार हमारी ओर आने लगते हैं। हम नकारात्मक विचार पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो कुछ ही मिनट में आपके मन में ऐसे ही विचार आते हैं जो हमें परेशान करते हैं। मन बहुत उलझ गया हो, विचलन और झुंझलाहट महसूस हो रही हो, तो कभी शांत बैठकर यह जानना चाहिए कि जीवन से क्या चाहिए।जब तक ईमानदारी से यह स्वीकार नहीं करते कि हम वास्तव में चाहते क्या हैं, तब तक एक भ्रम बना रहेगा। जब तक हम अपने जीवन, किसी परिस्थिति या रिश्तों में साफ-साफ यह नहीं मांगते कि हमें क्या चाहिए, तब तक स्पष्टता नहीं आएगी। यह भ्रम तब तक नहीं जाएगा। इसलिए विषम परिस्थितियों में कुछ देर शांत बैठ कर अपने भीतर झांकना चाहिए, ताकि हम सच में जान सकें कि जीवन से चाहते क्या हैं। अक्सर होता यह है कि जल्दीबाजी में हम अपने जीवन को ही ध्यान से नहीं देख पाते। नतीजतन, समस्याओं और नकारात्मकता में

उलझ कर हम तनावग्रस्त हो जाते हैं। यह समझना होगा कि समस्याएं जीवन का एक अभिन्न अंग हैं और इनसे निपटते हुए आगे बढ़ना ही जीवन की कला है।

इस दुनिया में हमारे लिए सब कुछ आसान होने वाला नहीं है। यहां हमें अपने जीवन के हर मोड़ पर कुछ अनुभव प्राप्त होंगे। इन्हें एकत्रित करके उनसे कुछ सीखना है। जीवन निरंतर परिवर्तनशील विषयों से भरा हुआ है। हमें बार-बार कुछ न कुछ छोड़ना पड़ता है। जैसे अपना प्यार भरा बचपन, मनभावन सपने और कई बार अपने प्रियजन। यह बेहद स्वाभाविक है।

जीवन में सुख और विकास के लिए यह सीखना बहुत जरूरी है कि हर चीज हमेशा के लिए नहीं होती। नुकसान को बदलाव और बिछोह को इसी तरह स्वीकार करना चाहिए कि हर रिश्ते, हर दौर का अंत होता ही है। कई बार हमें खुद ही आगे बढ़ने के लिए लोगों और चीजों को विदाई देनी पड़ती है। अपेक्षाओं को छोड़ना सुकून और विनम्रता की दिशा में उठाया गया पहला कदम है।

अगर हम जीवन को इस नजरिए और उद्देश्य से देखने लगें कि यहां हर रोज कोई नया अनुभव हासिल करना है और जीवन जीने की नई कला सीखनी है, तो विचारों की धारा और जीवन का अंदाज ही बदल जाएगा। फिर मुसीबतें सीखने का अवसर और चुनौतियां परीक्षा जैसी लगने लगेंगी, जिसमें उत्तीर्ण होकर हम खुद को सफल महसूस करेंगे।

हमें सोचना होगा कि जीवन एक अभ्यास-पुस्तिका है, जिसमें दिए गए सवालों को हल करना हमारी दिनचर्या है। एक समस्या और है जो हमारे विचारों को घुटन और अराजकता की तरफ धकेलती है। स्मार्टफोन के इस युग में वाट्सऐप और एसएमएस के जरिए टेलीग्राम की तरह अति संक्षिप्त संदेश प्रेषण की आदत ने हमारी अभिव्यक्ति की कला, संवाद प्रेषण, शब्द भंडार और भावनाओं का क्षरण कर लिया है। आमने-सामने बैठकर बातचीत या फोन पर बातचीत करना मानो लोग भूल ही गए हैं। ऐसे में जब हम अपनी भावनाओं को दबा लेते हैं, तो विभिन्न मानसिक, शारीरिक व्याधियों के शिकार हो जाते हैं या फिर लोगों से हिंसा घृणा आदि होने लगती है।

आज भावनात्मक समस्याएं बीमारियों की एक बड़ी वजह बनती जा रही हैं। अत्यधिक सूचनाओं, अफवाहों और नकारात्मक माहौल के कारण विचारों में अराजकता अत्यधिक बढ़ गई है। लोग जाने अनजाने भय, अकेलेपन, हताशा, अवसाद, बेचारगी से जूझ रहे हैं। लोगों में जीवन की निरर्थकता के भाव उन्हें चैन से नहीं जीने दे रहे हैं।

लोगों में अपनी पीड़ा छिपाने और दूसरों के साथ साझा न करने की प्रवृत्ति दिनोंदिन बढ़ रही है। जबकि समाजशास्त्रियों, व्यवहार विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों ने परिचित या अपरिचित लोगों से संवाद करने की प्रवृत्ति को सुखी, स्वस्थ और सुकूनदेह जीवन के लिए आवश्यक बताया है।

हाल ही में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि जब लोग अपनी ढकी-छिपी भावनाओं के बारे में बातें करते हैं, तो उन्हें सुकून और शांति मिलती है। यह प्रक्रिया उन्हें अपनी भावनाओं को समझने में मददगार भी होती है।

कई बार चिंता फायदेमंद भी होती है। किसी बुरी खबर का सामना करने के लिए जिस तरह की तैयारी करनी जरूरी हो जाती है, उसके लिए यह भी जरूरी होता है कि हम उनके उपाय और नतीजे पर चिंतन करें। किसी बुरी स्थिति में हम पहले ही सोच लें कि ज्यादा से ज्यादा क्या बुरा हो सकता है और उसे उससे कैसे निपट सकते हैं। इससे अवसाद नहीं होगा।हां, किसी दुख और परेशानी का सामना करना है तो ऐसा पूरी तरह से सकारात्मक होकर ही किया जा सकता है। हम अपने मन की निराशाओं को इस तरह से संभालें कि उससे हमारे वर्तमान पर किसी तरह का कोई असर न पड़ सके। यह तभी संभव है कि हम बेचैन न हों। इससे हम लगातार सकारात्मक और शांत बने रहेंगे। कुछ लोग खुद को दुखी रखने और दिखने के लिए अपने दुखों का अभ्यास भी करते रहते हैं। यह एक बुरी आदत है जो किसी को भी कभी चैन से रहने नहीं देती।

संन्यास के बाद रोहित शर्मा की अब इस टी20 टीम से खेलने की इच्छा

हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम को अपनी कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में चैंपियन बनाने के बाद रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था। हालांकि, आईपीएल में उसके बाद भी हिटमैन का जलवा देखने को मिला। अब ताजा रिपोर्ट में यह

जानकारी सामने आई है कि आईपीएल के अलावा रोहित शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में मुंबई की टीम के लिए खेलने की इच्छा जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से यह जानकारी सामने आई है कि रोहित शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के नॉक आउट में मुंबई की टीम के लिए खेलने की इच्छा जाहिर की है। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया, 'रोहित ने मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के नॉक आउट राउंड में खेलने की इच्छा जाहिर की है।'

हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर?

रोहित शर्मा वर्तमान में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की वनडे टीम का हिस्सा हैं। 6 दिसंबर को इस सीरीज के खत्म होने के बाद वह अगले महीने तक इंटरनेशनल क्रिकेट से फ्री हैं। इसके बाद जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इस बीच वह इंदौर में 12 से 18 दिसंबर तक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में होने वाले मुंबई के नॉक आउट मुकाबलों में नजर आ सकते हैं। मुंबई की टीम का मौजूदा टूर्नामेंट में बात करें तो अभी तक शानदार प्रदर्शन रहा है। टीम ने अपने शुरुआती चारों मुकाबले जीते हैं और एलीट स्टेज में ग्रुप ए की अंकतालिका में टॉप पर है। अब पांचवें मुकाबले में टीम का सामना केरल से हो रहा है। टीम की मौजूदा स्थिति देखते हुए नॉक आउट में एंट्री लगभग तय मानी जा रही है।

लिविंगस्टोन का शारजाह में तूफानी धमाका

एक ओवर में ठोके 5 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में लियाम लिविंगस्टोन ने वह कर दिखाया जिसे देखकर दर्शक भी दंग रह गए। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ने अपने पहले ही मैच में विश्व आईएलटी-20लीग का रंग जमा दिया। अबू धाबी नाइटराइडर्स के लिए खेलते हुए लिविंगस्टोन ने सिर्फ 38 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 8 छक्के और 2 चौके शामिल थे। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 233/4 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस लीग के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

आखिरी ओवर में मचा कहर

लिविंगस्टोन की पारी का सबसे रोमांचक हिस्सा आखिरी ओवर रहा। ड्वेन प्रीटोरियस गेंदबाजी करने आए और पहली गेंद खाली निकालकर राहत की सांस ही ले रहे थे कि अगले ही पलों में उनका सब्र टूट गया। लिविंगस्टोन ने दूसरी से छठी गेंद तक लगातार 5 छक्के जड़कर ओवर में 33 रन कूट दिए। इस ओवर ने न सिर्फ उनकी पारी को नई ऊंचाई दी, बल्कि मैच का पूरा मोमेंटम भी नाइटराइडर्स के पक्ष में कर दिया।

शुरुआत से लेकर अंत तक धुआंधार बैटिंग- लिविंगस्टोन के पहुंचने से पहले एलेक्स हेल्स (32) और अलीशान शराफू (34) ने टीम को तेज शुरुआत दी। नंबर 4 पर आए लिविंगस्टोन ने शुरुआत से ही बड़ा शॉट खेलना शुरू कर दिया। बीच के ओवरों में शेरफेन रदरफोर्ड ने भी 27 गेंदों में 45 रन बनाकर बढ़िया साथ दिया और दोनों ने मिलकर स्कोरबोर्ड को चौगुनी रफ्तार दे दी।

359 का झनझनाता टारगेट...

और भारतीय गेंदबाजी का सिस्टम क्रैश!

नई दिल्ली, एजेंसी। 358 रनों का पहाड़ खड़ा किया भारत ने, लेकिन जैसे ही दक्षिण अफ्रीका ने 359 का पीछा शुरू किया, गेंदबाजी रास्ते में कहीं खो गई. विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ ने एक के बाद एक शतक ठोककर ऐसा बल्लेबाजी तमाशा पेश किया कि लगा मैच भारत के कब्जे में है. फिर भी क्रिकेट की यही खूबसूरती है- जब रन बड़े हों, तब भी जीत सुनिश्चित नहीं होती. दक्षिण अफ्रीका ने 359 का पीछा नहीं किया, उसका आनंद लिया. एडेन मार्करम का शतक भारतीय गेंदबाजों की बेबसी पर बयान था, जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके और डेवाल्ड ब्रेविस ने रन ऐसे बटोरे जैसे उन्हें रोकने का कोई सवाल ही नहीं. गेंदबाजी की हर योजना, हर बदलाव और हर ओवर... साउथ अफ्रीका के आत्मविश्वास के सामने फीका पड़ता गया. पूरे मैच में भारतीय गेंदबाजी न तो डर पैदा कर पाई, न ब्रेकथ्रू और न कोई ऐसा स्पेल फेंक सकी, जिसमें मैच का रुख पलटने की उम्मीद जगे. शुरुआत से ही गेंदबाज लाइन-लेंथ तलाशते ही रह गए और साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज बेरहमी से रन बटोरते रहे.

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

टीम इंडिया से बाहर होते ही रिंकू सिंह की तूफानी बैटिंग, 212 रनों तक पहुंची टीम

नई दिल्ली। रिंकू सिंह को टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना लेकिन अब इस खिलाड़ी ने अपने बल्ले का दम दिखाया है.

रिंकू सिंह ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी के मुकाबले में चंडीगढ़ के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेली. उनकी इस पारी के दम पर ही यूपी की टीम 212 रनों तक पहुंची.

रिंकू सिंह ने इस मैच में बनाए तो 24 रन लेकिन इसके लिए उन्होंने 10 गेंद खेली. खास बात ये है कि रिंकू सिंह ने अपनी इस पारी में दो छक्के-दो चौके लगाए.

रिंकू ने दिखाया जलवा

रंकू सिंह इस मुकाबले में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने अनुभवी तेज गेंदबाज संदीप शर्मा को आड़े हाथों लिया. संदीप की 5 गेंदों पर उन्होंने 13 रन बनाए जिसमें एक छक्का और एक चौका शामिल है. निखिल शर्मा की गेंद पर भी उन्होंने सिक्स जड़ा. बता दें रिंकू सिंह को टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ 9 दिसंबर से सीरीज शुरू हो रही है और रिंकू को इससे बाहर क्यों रखा गया इसकी वजह भी नहीं बताई गई है. रिंकू ने टीम इंडिया के लिए 40 से ज्यादा की औसत और 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं लेकिन उनके प्रदर्शन को अनदेखा कर दिया गया.

अर्जुन ने विश्वनाथन आनंद को दी मात

• 22 साल के युवा ग्रैंडमास्टर ने जेरूशलम मास्टर्स का जीता खिताब

नई दिल्ली। भारत के 22 वर्षीय युवा ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने जेरूशलम मास्टर्स के फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। इस शानदार जीत के बाद अर्जुन ने जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। संन्यास के बाद रोहित शर्मा की अब इस टी20 टीम से खेलने की इच्छा, जानें हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर? 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय अर्जुन एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ से ही संतोष करना पड़ा था। लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था।

'यह जीत आसान नहीं थी...'

अर्जुन एरिगैसी ने इस बेहतरीन जीत के बाद कहा, ''यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के खिलाफ) काफी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के खिलाफ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज़ में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया।''

नेशंस लीग फुटबॉल

स्पेन ने जीता महिला नेशंस लीग का खिताब, फाइनल में जर्मनी को 3-0 से हराया

मैड्रिड, एजेंसी। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लगभग 56,000 दर्शक मौजूद थे जो घरेलू मैदान पर स्पेनिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड है। क्लाउडिया पिना के दो गोल की बदौलत स्पेन ने मंगलवार को महिला नेशंस लीग के फाइनल के दूसरे चरण में जर्मनी को 3-0 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। इन दोनों टीम के बीच फाइनल का पहला चरण गोलरहित बराबरी पर छूटा था। इस कारण दोनों टीम के लिए दूसरे चरण का मैच महत्वपूर्ण बन गया था। स्पेन ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बना दिया था। उसकी तरफ से पिना के अलावा विक्की लोपेज ने भी गोल किया। स्पेन की टीम इस मैच में तीन बार की बैलन डीओर विजेता ऐताना बोनमाटी के बिना उतरी थी जो रविवार को अभ्यास के दौरान चोटिल हो गई थी। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लगभग 56,000 दर्शक मौजूद थे जो घरेलू मैदान पर स्पेनिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड है।

टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पांचवें बल्लेबाज बने टॉम लैथम

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। शतकीय पारी खेलने वाले लैथम न्यूजीलैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन पूरे करने वाले पांचवें बल्लेबाज बने। टॉम लैथम ने दूसरी पारी में 250 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 145 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान 142वां रन बनाते ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 6,000 रन पूरे कर लिए। 33 साल के लैथम ने अब तक अपने करियर में 89 टेस्ट मैचों की 160 पारियों में 14 शतक और 31 अर्धशतक लगाते हुए 38.98 की औसत से 6,003 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 264 रन रहा है। लैथम का वनडे में भी शानदार रिकॉर्ड है। 163 वनडे मैचों की 150 पारियों में 8 शतक और 26 अर्धशतक लगाते हुए वे 4,464 रन बना चुके हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 145 रन है। न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने बनाए हैं। 106 टेस्ट मैचों की 188 पारियों में 33 शतक और 38 अर्धशतक लगाते हुए विलियमसन ने 9,337 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान रॉस टेलर हैं। टेलर ने 2007 से 2022 के बीच 112 टेस्ट में 19 शतक और 35 अर्धशतक की मदद से 7,683 रन बनाए हैं। स्टीफन फ्लेमिंग तीसरे स्थान पर हैं। पूर्व कप्तान ने 1994 से 2008 के बीच 9 शतक और 46 अर्धशतक की मदद से 7,172 रन बनाए। चौथे स्थान पर पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैंडन मैक्कुलम हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

वैभव से नहीं बच पाए अर्जुन तेंदुलकर

4 छक्के, 4 चौके के साथ ठोक दिए 46 रन

नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार और गोवा के मुकाबले में सभी की निगाहें वैभव सूर्यवंशी और अर्जुन तेंदुलकर की टक्कर पर जमीं थी. क्रिकेट फैंस के जहन में सवाल था कि जब ये दोनों आमने-सामने होंगे तो कौन किस पर भारी पड़ेगा. अब जवाब सामने है. वैभव सूर्यवंशी और अर्जुन तेंदुलकर के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर का नतीजा आ चुका है.

वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ गोवा ने अपने 4 गेंदबाज आजमाए, जिसमें अर्जुन तेंदुलकर सबसे ज्यादा की स्ट्राइक रेट से पिटने वाले दूसरे गेंदबाज रहे. वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर की 10 गेंदों का सामना अपनी इनिंग में किया, जिसमें उन्होंने 150 की स्ट्राइक रेट से 15 रन बनाए. वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर के खिलाफ ये रन 3 चौके के साथ एक डबल और एक सिंगल लेते हुए बनाए.

अर्जुन से भी ज्यादा बुरी तरह वैभव ने इस गेंदबाज को पीटा

वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर से भी ज्यादा की स्ट्राइक रेट से गोवा के जिस गेंदबाज को पीटा, वो दीपराज गांवकर रहे. वैभव ने अपनी इनिंग में दीपराज की 5 गेंदों पर 300 प्लस की स्ट्राइक रेट से 16 रन बनाए, जिसमें 2 छक्के और 1 चौका शामिल रहा. आखिर में वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेने में भी कामयाबी दीपराज गांवकर को ही मिली.

23 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के सबसे सफल लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले जा रहे पिंक-बॉल टेस्ट की पहली ही दिन रिकॉर्ड बुक को हिला दिया। इंग्लैंड के उप-कप्तान हैरी ब्रुक को आउट करते ही स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

स्टार्क की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग स्पेल- पहले दिन स्टार्क ने शुरुआत से ही इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों पर कहर बरपा दिया। पहली ओवर में बेन डकेट को गोल्डन डक पर चलता किया।

23 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

वसीम अकरम ने 104 टेस्ट में 414 विकेट लिए थे। स्टार्क ने यह उपलब्धि अपने 102वें टेस्ट में हासिल कर ली और वर्तमान में टेस्ट के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की सूची में 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आंद्रे रसेल ने किया खुलासा, आईपीएल में सबसे मुश्किल गेंदबाज कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल से संन्यास लेने के बाद केकेआर के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने करियर का सबसे कठिन गेंदबाज चुनते हुए बड़ा खुलासा किया है। रसेल के मुताबिक, मुंबई इंडियंस के स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह ने हमेशा उन्हें चुनौती दी और उन्हें कई बार आउट भी किया।

'मेरे क्रीज पर आते ही बुमराह गेंदबाज़ी करने लगते थे '- सीज़न 14 साल खेलने के बाद आईपीएल से रिटायर हुए 37 वर्षीय रसेल ने कहा कि बुमराह के खिलाफ बल्लेबाजी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। रसेल ने कहा, 'आईपीएल में मेरे सामने आने वाले सबसे मुश्किल गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह हैं। जैसे ही मैं बैटिंग करने आता हूं, वह गेंद थमा देते हैं। उन्होंने मुझे कई बार आउट किया है, लेकिन मैंने भी उन्हें कुछ शानदार शॉट्स मारे हैं।

- **बुमराह ने रसेल को आईपीएल में 4 बार किया आउट-** जसप्रीत बुमराह ने रसेल को चार बार आउट किया है। रशिद खान, क्रिस मॉरिस और शार्दुल ठाकुर ने भी रसेल को 4-4 बार आउट किया है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670